THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

हिन्दी समाचार पत्र

द अनकवर्ड अपडेट

कवर के पीछे की खबर | Special Edition | RJHIN/25/A4779

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, रविवार 15 नवंबर, 2026 | » वर्ष: 01 » अंक: 21 » पृष्ठ: 8 » मूल्य: 2.00 रू.

राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन के विकास को लेकर अहम बैठक

प्रदेश में निवेशकों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राजस्थान के औद्योगिक विकास को मिल रही अभूतपूर्व गति

3 महीने में पूर्ण हो आवंटन प्रक्रिया और 6 महीनों में औद्योगिक इकाई का संचालन

द अनकवर्ड अपडेट

प्रदेश में रोजगार सृजन एवं राजस्व अर्जन का केन्द्र बन रहा राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन





जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन प्रदेश की औद्योगिक अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयां देने के साथ ही रोजगार सृजन एवं राजस्व अर्जन का प्रमुख केन्द्र बन रहा है। इस क्षेत्र में पेट्रोकेमिकल आधारित अधिकाधिक औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जाए तथा पेट्रोकेमिकल उत्पादों का निर्माण एवं उनका उपयोग प्रदेश में ही सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार के प्रयासों से औद्योगिक गतिविधियों को अभूतपूर्व गति मिल रही है। पेट्रोकेमिकल जोन के सुनियोजित विकास से प्रदेश में निवेश के और नए अवसर सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री शनिवार को राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन के विकास, औद्योगिक निवेश एवं उपलब्ध संभावनाओं के संबंध में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जोन के विकास से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करते हुए इसे निवेशकों के लिए आकर्षक औद्योगिक गंतव्य के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि औद्योगिक भूखंडों का आवंटन केवल औपचारिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहे, बल्कि आवंटित भूखंडों पर निर्धारित समयावधि में वास्तविक औद्योगिक गतिविधियां प्रारंभ होना भी सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिये सख्त निर्देश

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन में औद्योगिक भूखंडों के आवंटन की प्रक्रिया आगामी तीन माह में अनिवार्य रूप से पूरी की जाए। आवंटन प्राप्त करने के छह माह के भीतर औद्योगिक इकाई की स्थापना एवं संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शेष उपलब्ध भूखंडों का आवंटन शीघ्र नीलामी के माध्यम से करने तथा पूर्व में भूखंड आवंटित होने के बावजूद औद्योगिक गतिविधियां प्रारंभ नहीं करने वाले आवंटियों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि औद्योगिक भूमि का उपयोग वास्तविक उत्पादन गतिविधियों के लिए हो तथा निवेश के नाम पर भूखंडों का अनावश्यक रूप से उपयोग लंबित नहीं रखा जाए।

स्थानीय स्तर पर उत्पादन हो सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेट्रोकेमिकल जोन का विकास इस दृष्टि से किया जाए कि रिफाइनरी से प्राप्त होने वाले उत्पादों का उपयोग प्रदेश में ही विभिन्न औद्योगिक इकाइयों द्वारा किया जा सके। इससे स्थानीय स्तर पर उत्पादन को बढ़ावा मिलने के साथ ही उद्योगों की लागत एवं आपूर्ति व्यवस्था को भी बेहतर बनाने की संभावनाएं विकसित होंगी। उन्होंने सीमेंट, पाइप सहित विभिन्न उत्पादों के निर्माण में पेट्रोकेमिकल उत्पादों के उपयोग की संभावनाओं का आकलन करने के निर्देश दिए। साथ ही, प्रदेश में इन उत्पादों की वर्तमान मांग, उपभोग एवं भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं का विस्तृत अध्ययन करवाने पर जोर दिया।

उन्होंने इस क्षेत्र में पहले से कार्यरत उद्यमियों एवं संबंधित औद्योगिक इकाइयों संचालकों के साथ बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। इन बैठकों में उद्यमियों की आवश्यकताओं, मांगों एवं सुझावों पर विचार कर उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाए, ताकि स्थानीय उद्योगों को जोन से जोड़कर मजबूत औद्योगिक इकोसिस्टम विकसित किया जा सके।

निवेशकों की बैठक आयोजित कर आकर्षित करें निवेश

मुख्यमंत्री ने बालोतरा में निवेशकों की बैठक आयोजित कर राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन में अधिकाधिक निवेश आकर्षित करने तथा स्थानीय स्तर पर औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निवेशकों को रिफाइनरी से उपलब्ध होने वाले बाय-प्रोडक्ट्स का लाभ मिलना चाहिए। इसके लिए रिफाइनरी अधिकारियों को स्थानीय स्तर पर औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने वाले निवेशकों को रिफाइनरी के बाय-प्रोडक्ट्स रियायती दरों पर उपलब्ध करवाने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

निवेश प्रोत्साहन योजनाओं का हों प्रभावी क्रियान्वयन

मुख्यमंत्री ने निवेशकों के साथ नियमित संवाद बनाए रखने के लिए समय-समय पर निवेश सम्मेलन आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना एवं प्लग एंड प्ले सहित अन्य निवेश संवर्धन योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का लाभ अधिकाधिक निवेशकों एवं उद्यमियों तक पहुंचे तथा औद्योगिक इकाइयों की स्थापना में आने वाली कठिनाइयों का समाधान किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान पेट्रोकेमिकल जोन का विकास प्रदेश में नए उद्योगों की स्थापना, स्थानीय स्तर पर उत्पादन, निवेश विस्तार और रोजगार के नए अवसरों के सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करें।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा सहित निवेश संवर्धन ब्यूरो, राजस्थान औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम, उद्योग विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

ओडिशा हाईकोर्ट में जजों के 60% पद खाली: 1.70 लाख मुकदमे लंबित

बीजद सांसद सस्मित ने कानून मंत्री को लिखा पत्र



एजेंसी। भुवनेश्वर

ओडिशा हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की भारी कमी का मुद्दा सामने आया है। अदालत में स्वीकृत पदों के मुकाबले 60 फीसदी से ज्यादा पद खाली हैं। इसका असर मुकदमों की सुनवाई पर पड़ रहा है और हजारों मामले वर्षों से लंबित हैं। इस स्थिति को लेकर बीजू जनता दल (बीजद) के राज्यसभा सांसद डॉ. सस्मित पात्रा ने केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को पत्र लिखकर तत्काल नियुक्तियां करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि न्यायिक पदों को भरने में देरी से ओडिशा में लोगों को समय पर न्याय मिलने में परेशानी हो रही है। 14 नवंबर 2026 को लिखे पत्र में सांसद ने बताया कि ओडिशा हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश समेत न्यायाधीशों के कुल स्वीकृत पद 33 हैं। फिलहाल अदालत में 13 न्यायाधीश काम कर रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश हरीश टंडन 15 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उनके रिटायर होने के बाद अदालत में केवल 13 न्यायाधीश ही रह जाएंगे। यानी 33 पदों में से 20 खाली होंगे। यह करीब 60.6 प्रतिशत पदों की कमी है। सांसद के मुताबिक, यह राष्ट्रीय स्तर पर हाईकोर्ट में न्यायाधीशों के औसत रिक्त पदों की दर करीब 26 प्रतिशत से दोगुने से भी अधिक है।

पिछले एक साल में कैसे घटती गई जजों की संख्या?

सस्मित पात्रा ने पत्र में बताया कि पिछले एक साल में ओडिशा हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या लगातार कम हुई है। वर्ष 2025 के दौरान दूसरे हाईकोर्ट से न्यायाधीशों के तबादले के जरिए नियुक्तियां हुई थीं। इसके बावजूद सेवानिवृत्ति और तबादलों के कारण अदालत में न्यायाधीशों की संख्या घटती चली गई। दिसंबर 2025 में हाईकोर्ट में 20 न्यायाधीश काम कर रहे थे, लेकिन अब यह संख्या घटकर 13 रह गई है। सांसद का कहना है कि अदालत की कार्यक्षमता बनाए रखने और मुकदमों की सुनवाई में तेजी लाने के लिए नई नियुक्तियां बेहद जरूरी हैं।

हाईकोर्ट में कितने मुकदमे लंबित हैं?

सांसद ने लंबित मामलों के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि ओडिशा हाईकोर्ट में कुल 1,70,346 मुकदमे लंबित हैं। इनमें से 38,936 मामले ऐसे हैं, जिनका फैसला दस साल से ज्यादा समय से नहीं हुआ है। यानी बड़ी संख्या में लोग एक दशक से अपने मुकदमों के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। पात्रा ने कहा कि न्यायाधीशों की कमी के कारण अदालत पर काम का बोझ बढ़ रहा है और मामलों के निपटारे में देरी हो रही है।

कानून मंत्री से क्या मांग की गई है?

डॉ. सस्मित पात्रा ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से खाली पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए संबंधित संवैधानिक अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर समयबद्ध तरीके से नियुक्तियों की प्रक्रिया पूरी की जानी चाहिए। उनका जोर इस बात पर है कि न्यायाधीशों की कमी को जल्द दूर किया जाए, ताकि ओडिशा हाईकोर्ट में मुकदमों की सुनवाई बेहतर ढंग से हो सके और लोगों को समय पर न्याय मिल सके।

'कृष्ण-राधा से रणभूमि तक' कार्यक्रम सनातन संस्कृति को मजबूती देने वाला

बृज क्षेत्र से मेरा गहरा नाता, संगीतमय प्रस्तुति ने जीवंत की भगवान श्री कृष्ण की लीलाएं - मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

द अनकवर्ड अपडेट



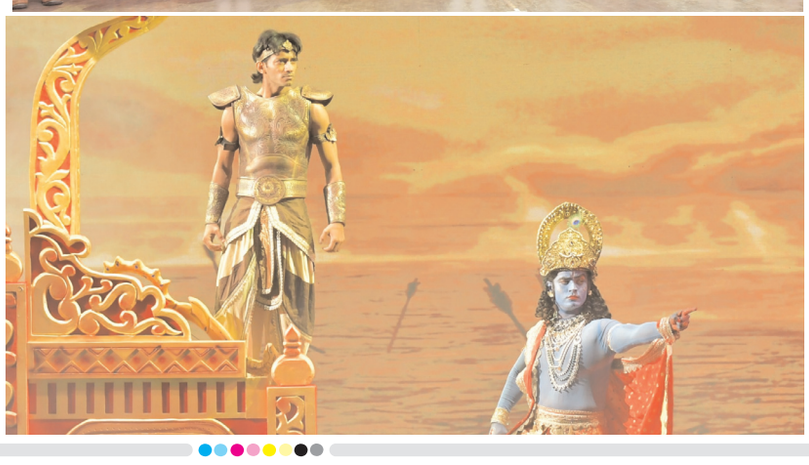

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को बिड़ला सभागार में लेखक एवं कलाकार मनोज मुंतशिर की विशेष लाइव म्यूजिकल प्रस्तुति 'कृष्ण-राधा से रणभूमि तक' कार्यक्रम को देखा।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात अपने संबोधन में कहा कि ईश्वर के प्रति व्यक्ति जिस श्रद्धा से अपने भाव अर्पित करता है, उसे उसी अनुसार फल मिलता है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से भगवान कृष्ण की लीलाओं का अद्भुत मंचन किया गया है। इसके लिए सभी कलाकार और इसके आयोजक बधाई के पात्र हैं तथा इस प्रकार की प्रस्तुति से हमारी सनातन संस्कृति और अधिक मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अष्ट छाप के कवि गोविंद स्वामी जी और बृज क्षेत्र से उनका गहरा नाता है। बृज में समय बिताकर भगवान कृष्ण की लीलाएं आज भी देखने को मिल जाती हैं।

मुख्यमंत्री के साथ इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, सांसद मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, राष्ट्रीय सह कोषाध्यक्ष राजेश मंगल, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, महापौर सुनील कोठारी सहित अन्य गणमान्यजन मौजूद रहे।



THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है
हिन्दी समाचार पत्र
जयपुर अपडेट
गुलाबी शहर की हर खबर
| Digital Edition |
RJHIN/25/A4779
रविवार, 15 नवंबर, 2026

मुख्यमंत्री ने अस्पताल पहुंचकर विधायक लक्ष्मण मीणा की कुशलक्षेम जानी



द अकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जयपुर स्थित राजस्थान हॉस्पिटल पहुंचकर बस्सी विधायक लक्ष्मण मीणा के स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों से उनके उपचार के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री ने विधायक के परिजनों से भी मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उन्हें ढांढस बंधाया।

आईआईटीएफ- 2026

प्रमुख आवासीय आयुक्त रोहित कुमार ने भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में राजस्थान मंडप का किया उद्घाटन



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में शुरू हुए 15 दिवसीय भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में शनिवार को राज्य के प्रमुख आवासीय आयुक्त रोहित कुमार ने राजस्थान मंडप का विधिवत रूप से दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

इस अवसर पर राजस्थान मंडप के निदेशक हर्ष शर्मा ने रोहित कुमार को मंडप का अवलोकन करवाते हुए बताया कि इस वर्ष राजस्थान पार्टनर स्टेट है और राजस्थान मण्डप को 'विकास और विरासत' की थीम के अनुरूप तैयार किया गया है।

रोहित कुमार ने राजस्थान मण्डप के सभी स्टॉल का अवलोकन कर राजस्थानी कलाकारों और हुनरबंद कारीगरों का उत्साह बढ़ाया। मंडप निदेशक ने बताया कि मेले में मण्डप को उद्योग व पर्यटन विभाग, रीको, बीआईपी, खादी, राजीविका की सहभागिता से और भी समृद्ध बनाया गया है। यहां राजस्थान के पारंपरिक व्यंजन और हस्तशिल्प उत्पादों के स्टॉल भी लगाई गई हैं।

मेले में राजस्थान लघु उद्योग निगम लिमिटेड द्वारा लगभग एक हजार वर्ग मीटर क्षेत्रफल में राजस्थान मंडप का निर्माण किया गया है। इसमें राजस्थान की औद्योगिक प्रगति, सांस्कृतिक विविधता, कला, शिल्प, पर्यटन और निवेश की संभावनाओं की विशिष्ट झलक देखने को मिल रही है।

21 नवंबर को होगा राजस्थान दिवस समारोह

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के दौरान इस वर्ष 21 नवंबर को राजस्थान दिवस मनाया जाएगा, जिसमें रंगारंग सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा।

गांव–गांव तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की तैयारी, आशा-एएनएम को मिला विशेष प्रशिक्षण

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग जयपुर 'ब' के अधीन संचालित आयुष्यान आरोग्य मंदिर के अन्तर्गत कार्यरत आशा एएनएम नर्स-कम्पाउण्डर आयुष मित्र की दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ डॉ. राजेश शर्मा एवं अतिरिक्त निदेशक आयुर्वेद विभाग जयपुर संभाग डॉ. बत्तीलाल बैरवा ने भगवान धन्वन्तरि की तस्वीर के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

विभाग के उपनिदेशक डॉ. मुखत्यार सिंह ने बताया शिविर में प्रतिभागियों को आयुष्मान आरोग्य मन्दिरों पर इनके द्वारा किया जाने वाले कार्यों की योजना का आमुखीकरण, प्रकृति परीक्षण की आवश्यकता, सीबीएसी फॉर्म, लेबोरेट्री टेस्ट, सामाजिक एवं व्यक्तिगत स्वच्छता, आयुष में रेफरल सिस्टम, आयुष मेडिसिन किट, एनसीडीएस की स्क्रीनिंग, घरेलु उपचार एवं औषधीय पादपों का उपयोग, आयुष आईईसी एवं योग एवं स्वस्थ जीवनशली रिपोर्टिंग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. पंकज कुमार ने बताया कि डॉ. सत्यनारायण शर्मा उप निदेशक जयपुर 'अ', डॉ. घनश्याम मीणा उप निदेशक कैम्प कार्यालय नरेन्द्र शर्मा, एडवोकेट, डॉ. ऋषि तिवाड़ी, डॉ. ऋचा तिवारी, डॉ. विजय कुमार, डॉ. ज्योति यादव, डॉ. कृति शर्मा व डॉ. संतोष कुमारी एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जवाहर सर्किल में आमजन के साथ की मॉर्निंग वॉक

बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं से किया संवाद, समस्याएं सुनी एवं सुझाव भी लिए

मंदिर में दर्शन कर की प्रदेश की सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए कामना

प्रधानमंत्री के 'फिट इंडिया' अभियान को बताया स्वस्थ एवं सशक्त भारत के निर्माण का आधार





द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जयपुर के जवाहर सर्किल में आमजन के साथ मॉर्निंग वॉक की। इस दौरान उन्होंने प्रातः भ्रमण कर रहे बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं से आत्मीय मुलाकात कर उनका अभिवादन स्वीकार किया और विभिन्न विषयों पर संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं एवं सुझाव भी लिए। वहीं, बच्चों से उनकी शिक्षा एवं दिनचर्या की जानकारी लेते हुए स्वस्थ जीवन के लिए प्रेरित किया और उन्हें चॉकलेट भी वितरित की। मॉर्निंग वॉक के दौरान उन्होंने मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की सुख, समृद्धि शांति और खुशहाली के लिए कामना की। मुख्यमंत्री ने आमजन के साथ छाछ पीकर स्वस्थ खान-पान अपनाने एवं स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित कर 'वोकल फॉर लोकल' अभियान में भागीदारी निभाने का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का फिट इंडिया अभियान स्वस्थ एवं सशक्त भारत के निर्माण का आधार है। जब हम शारीरिक रूप से स्वस्थ होंगे, तो हमारी कार्यक्षमता बढ़ेगी और हम अपने कार्यों को अधिक ऊर्जा एवं उत्साह के साथ कर सकेंगे। साथ ही, उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने आमजन से अपने आसपास गंदगी नहीं होने देने तथा कहीं भी गंदगी दिखाई देने पर प्रशासन को सूचित कर अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

'हर वर्ग के उत्थान एवं जनकल्याण के लिए सरकार कृतसंकल्पित'

मीडिया से रूबरू होते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गरीब, किसान, मजदूर, पशुपालक, महिलाओं और युवाओं के कल्याण के लिए कृतसंकल्पित है। सरकार ने विगत तीन वर्षों में जनकल्याण की अनेक योजनाओं को धरातल पर उतारा है तथा लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए गए हैं। उन्होंने आमजन से नियमित व्यायाम, योगाभ्यास एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर मॉर्निंग वॉकर्स में भी काफी उत्साह देखने को मिला एवं उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी भी ली। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

पंचायतीराज आम चुनाव के चतुर्थ चरण में 71.81 प्रतिशत मतदान

चारों पंचायत समितियों एवं जिला परिषद सदस्य पदों के लिए शांतिपूर्ण मतदान

तूंगा में सर्वाधिक 72.77 प्रतिशत तथा आंधी में 70.12 प्रतिशत मतदान



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के तहत जयपुर जिले में चतुर्थ एवं अंतिम चरण में शनिवार को जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। जिले की चार पंचायत समितियों–बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ़ एवं आंधी में पंचायत समिति सदस्य पदों के 82 निर्वाचन क्षेत्रों तथा जिला परिषद के 13 निर्वाचन क्षेत्रों में हुए मतदान में कुल 71.81 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) जयपुर संदेश नायक ने बताया कि चारों पंचायत समितियों एवं जिला परिषद के संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 4 लाख 7 हजार 280 मतदाता पंजीकृत थे, जिनमें से 2 लाख 92 हजार 452 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

पंचायत समिति-वार प्राप्त अंतिम आंकड़ों के अनुसार आंधी में कुल 91 हजार 16 मतदाताओं में से 63 हजार 817 ने मतदान किया, जो 70.12 प्रतिशत रहा। बस्सी में 1 लाख 29 हजार 159 मतदाताओं में से 93 हजार 462 ने मतदान किया तथा मतदान प्रतिशत 72.36 रहा। जमवारामगढ़ में 1 लाख 22 हजार 890 मतदाताओं में से 88 हजार 444 ने मताधिकार का प्रयोग किया, जहां मतदान प्रतिशत 71.97 दर्ज किया गया। इसी प्रकार तूंगा में कुल 64 हजार 215 मतदाताओं में से 46 हजार 729 ने मतदान किया तथा यहां सर्वाधिक 72.77 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ।

मतदान के समयवार आंकड़ों के अनुसार प्रातः 10 बजे तक 15.25 प्रतिशत, दोपहर 1 बजे तक 34.56 प्रतिशत, अपराह्न 3 बजे तक 51.28 प्रतिशत तथा सायं 6 बजे तक 70.60 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। अंतिम आंकड़ों के अनुसार मतदान प्रतिशत 71.81 रहा।

उल्लेखनीय है कि चतुर्थ चरण के तहत बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ़ एवं आंधी पंचायत समितियों में पंच एवं सरपंच पदों के लिए 15 नवंबर को प्रातः 8 बजे से पूर्वाह्न 11 बजे तक नामांकन होंगे तथा 16 नवंबर को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान होगा। मतदान समाप्ति के तुरंत बाद संबंधित ग्राम पंचायत मुख्यालय पर मतगणना होगी। उपसरपंच का चुनाव 17 नवंबर को होगा। सभी चरणों के जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों की मतगणना 20 नवंबर को प्रातः 8 बजे से की जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिनभर विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा कर लिया मतदान व्यवस्थाओं का जायजा

चतुर्थ चरण में बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ़ एवं आंधी पंचायत समितियों में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए हुआ मतदान

मतदान केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण, अधिकारियों एवं मतदान कार्मिकों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव के तहत जयपुर जिले में शनिवार को चतुर्थ चरण में जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए मतदान संपन्न हुआ। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) जयपुर संदेश नायक ने दिनभर बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ़ एवं आंधी पंचायत समितियों के विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा कर मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने खोखावाला, भांगड़ कला, सहित चारों पंचायत समितियों के विभिन्न मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान प्रक्रिया का अवलोकन किया। वहां तैनात मतदान कार्मिकों से निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए की गई व्यवस्थाओं, मतदान प्रक्रिया के संचालन तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की पालना का निरीक्षण किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने चतुर्थ चरण के मतदान को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने में सहयोग देने के लिए बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ़ एवं आंधी पंचायत समितियों के समस्त मतदाताओं, आमजन, जनप्रतिनिधियों एवं निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों और कार्मिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग एवं सक्रिय भागीदारी से मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

उल्लेखनीय है कि चतुर्थ चरण के तहत इन चारों पंचायत समितियों में पंच एवं सरपंच पदों के लिए 16 नवंबर को मतदान होगा तथा उपसरपंच का चुनाव 17 नवंबर को होगा।

बाल दिवस पर बच्चों ने सड़क सुरक्षा रैली निकालकर दिया यातायात नियमों की पालना का संदेश

हेलमेट, सीट बेल्ट एवं वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग नहीं करने के प्रति किया जागरूक



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। बाल दिवस एवं 15 नवंबर को राज्य सड़क सुरक्षा दिवस तथा विश्व सड़क दुर्घटना पीड़ित स्मरण दिवस के उपलक्ष्य में यातायात पुलिस जयपुर और एक निजी विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में भगवान दास रोड एवं आसपास सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली आयोजित की गई। रैली में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न संदेशों के माध्यम से आमजन को यातायात नियमों की पालना और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (प्रशासन एवं यातायात) प्रदीप मोहन, पुलिस उपायुक्त (यातायात) प्रवीण नायक नूनावत के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बाल दिवस के अवसर पर बच्चों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले लोगों को स्मरण कर आमजन को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करना रहा। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा से संबंधित स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर आमजन एवं वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना करने का संदेश दिया। बच्चों ने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, कार में सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने अपने संदेशों के माध्यम से बताया कि यातायात नियमों की अनदेखी सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है तथा थोड़ी सी सावधानी कई अनमोल जीवन बचा सकती है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात दक्षिण श्रीमती सुनीता मीणा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी दी। उन्होंने आमजन से यातायात नियमों का जिम्मेदारीपूर्वक पालन करने की अपील करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। यातायात नियमों की पालना कर स्वयं के साथ दूसरों का जीवन भी सुरक्षित रखा जा सकता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जनजातीय गौरव दिवस पर शुभकामनाएं

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जनजातीय गौरव दिवस (15 नवम्बर) की प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2021 में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की। यह पहल जनजातीय समाज के राष्ट्र निर्माण में योगदान और गौरवशाली विरासत का सच्चा सम्मान है।

उन्होंने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने पूरे देश में जनक्रांति की लौ जलाई। उन्होंने समाज सुधारक के रूप में जनजातीय समाज को नशा एवं जातीय संघर्ष जैसी बुराइयों को त्यागने और लोगों को एकजुट रहने के लिए प्रेरित किया। भगवान बिरसा मुंडा के आदर्श हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समाज ने विश्व को जल, जंगल और जमीन के साथ संतुलन बनाकर जीना सिखाया है। राज्य सरकार इन परम्पराओं को संजोने के साथ ही जनजाति कल्याण के लिए कृत-संकल्पित है।

आईएनएस चिल्का में 3,358 अग्निवीर और नाविकों की पासिंग आउट परेड, 142 महिलाएं शामिल

भुवनेश्वर , एजेंसी। ओडिशा के आईएनएस चिल्का में भव्य पासिंग आउट परेड (पीओपी) आयोजित की गई, जिसमें रिकॉर्ड 3,358 प्रशिक्षुओं ने अपना गहन प्रारंभिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। इसमें 142 महिला प्रशिक्षु भी शामिल थीं। इस समारोह के साथ भारतीय नौसेना के 2,756 अग्निवीरों, 286 चिकित्सा सहायकों और भारतीय तटरक्षक बल के 316 नाविकों ने 16 सप्ताह का कठोर प्रशिक्षण पूरा किया। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने इस पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया, जबकि दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना ने समापन समारोह की अध्यक्षता की। प्रशिक्षण के दौरान, प्रशिक्षुओं को शैक्षणिक अध्ययन, शारीरिक फिटनेस, तैराकी, और नेतृत्व विकास सहित विभिन्न गतिविधियों में निपुण बनाया गया। इस दौरान अनुशासन, टीम भावना तथा नौसेना के मूल मूल्यों - कर्तव्य, सम्मान और साहस पर विशेष जोर दिया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नचिकेता सनासम को एसएसआर श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु, अरबाज अमीन को एमआर श्रेणी में और दीक्षा को समग्र योग्यता सूची में सर्वश्रेष्ठ महिला प्रशिक्षु चुना गया। अमर शक्ति एम को सर्वश्रेष्ठ नाविक जीडी तथा अर्पित सांगवान को सर्वश्रेष्ठ नाविक डीबी का सम्मान मिला। इस यादगार अवसर पर युवा प्रशिक्षुओं के परिवारों ने भी भव्य परेड का अवलोकन किया।

पाकिस्तानी एजेंट को साझा कीं गोपनीय सैन्य सूचनाएं

- वायुसेना विंग कमांडर पर देशद्रोह का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर पर देश की सुरक्षा से जुड़ी गोपनीय सैन्य जानकारी और युद्ध योजनाओं से संबंधित दस्तावेज पाकिस्तानी खुफिया एजेंट के साथ साझा करने का गंभीर आरोप लगा है। दिल्ली पुलिस द्वारा अदालत में दाखिल किए गए आरोपपत्र (चार्जशीट) में इस चौंकाने वाले खुलासे ने देश की सुरक्षा एजेंसियों को हैरान करने के साथ-साथ सतर्क कर दिया है। आरोप है कि यह अधिकारी कथित तौर पर हनीट्रैप का शिकार हुआ था और उसे अश्लील तस्वीरों के बदले देश की सुरक्षा से जुड़ी अत्यधिक संवेदनशील जानकारियां साझा करने के लिए मजबूर किया गया, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा हुआ। आरोपपत्र के अनुसार, विंग कमांडर ने व्हाट्सएप के माध्यम से पाकिस्तानी खुफिया एजेंट को सैन्य अभियानों से संबंधित गोपनीय सूचनाएं, युद्ध की रणनीतियों से जुड़े दस्तावेज, ड्रोन तकनीक से संबंधित विस्तृत जानकारियां और सैन्य तैनाती का विस्तृत ब्योरा भेजा था। इसमें अग्रिम मोर्चे के लड़ाकू विमानों की गतिविधियों और संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों के भौगोलिक निर्देशांक भी शामिल थे, जो दुश्मन देश के हाथों में जाने से बड़ी क्षति पहुंचा सकते हैं। इन सूचनाओं को किसी विदेशी ताकत के साथ साझा करना न केवल देशद्रोह के समान माना जाता है बल्कि इसके अत्यंत गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जिससे देश की सामरिक स्थिति कमजोर हो सकती है।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एम्स से डिस्चार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को शनिवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें बुधवार को सुबह की सैर के दौरान अचानक बेहोश होकर गिरने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कुछ मिनट तक बेहोश रहने के बाद उन्हें सुरक्षाकर्मी शुरुआत में घर ले गए थे, लेकिन बाद में एम्स के कार्डियो-न्यूरो सेंटर में लाया गया, जहां हृदय रोग विभाग की देखरेख में उनकी जांच और उपचार किया गया। यह पिछले दो वर्षों में उनका सबसे लंबे समय तक बेहोश रहने का मामला था। इसके पहले वह जून 2025 में नैनीताल में एक कार्यक्रम के दौरान और इस साल जनवरी में दो बार अपने घर पर भी बेहोश हो चुके हैं। मार्च 2025 में सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें एम्स के आईसीयू में भर्ती किया था, जहां उनकी एंजियोप्लास्टी भी की गई थी। धनखड़ ने अगस्त 2022 से जुलाई 2025 तक भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य किया।

मैं ओवैसी तेरे आंगन का...पवन खेड़ा ने एआईएमआईएम और चंद्रशेखर के गठबंधन पर कसा तंज

चंद्रशेखर ने कांग्रेस और सपा को दिया था गठबंधन का प्रस्ताव

नई दिल्ली , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के बीच गठबंधन के ऐलान के बाद कांग्रेस ने निशाना साधना शुरू किया है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने ओवैसी पर फिल्मी अंदाज में तंज कसते हुए कहा कि लखनऊ में एक नई पिक्चर बन रही है, जिसका नाम है मैं ओवैसी तेरे आंगन का।



कांग्रेस नेता खेड़ा ने अपनी टिप्पणी में पुरानी फिल्म मैं तुलसी तेरे आंगन की का जिक्र कर कहा, वहां पिक्चर थी ना मैं तुलसी तेरे आंगन की, अब लखनऊ में एक नई पिक्चर बन रही है मैं ओवैसी तेरे आंगन का। उनके इस बयान को ओवैसी और चंद्रशेखर के गठबंधन पर कांग्रेस की राजनीतिक प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है।

इसके पहले कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी भी दोनों नेताओं के गठबंधन को लेकर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद के बीच हुआ सामाजिक परिवर्तन मोर्चा का गठबंधन भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के इशारे पर तैयार किया गया है। कांग्रेस सांसद तिवारी का दावा था कि बीजेपी इसतरह के गठबंधनों के जरिए विपक्षी दलों के वोटों में बंटवारा कराने की रणनीति अपनाती है।

उन्होंने महाराष्ट्र और बिहार के सीमांचल क्षेत्र का उदाहरण देकर कहा था कि इसतरह के राजनीतिक समीकरणों से चुनाव में वोटों का विभाजन होता है, जिसका फायदा बीजेपी को मिल सकता है। गौरतलब है कि चंद्रशेखर आजाद ने आगामी यूपी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सामने भी गठबंधन का प्रस्ताव रखा था, लेकिन दोनों दलों के साथ सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद ओवैसी और चंद्रशेखर ने साथ आने का फैसला किया। अब इस गठबंधन ने प्रदेश की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है।

खरगोन में आया 4.5 तीव्रता का भूकंप, खंडवा के कई इलाकों में भी हिली धरती

- भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर था, कोई जनहानि नहीं

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश के खरगोन, खंडवा और आसपास के इलाकों में शनिवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक शनिवार सुबह 9 बजकर 15 मिनट 28 सेकंड पर खरगोन क्षेत्र में 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक भूकंप का केंद्र 21.59डिग्री उत्तरी अक्षांश और 75.552डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। ये स्थान धार जिले के धामनोद से करीब 69 किलोमीटर दक्षिण और इंदौर से करीब 129 किलोमीटर दक्षिण, दक्षिण पश्चिम में बताया गया है। भूकंप के झटके खरगोन जिले और खंडवा सहित आसपास के क्षेत्रों में महसूस किए जाने की जानकारी सामने आई है। भूकंप की गहराई कम होने के कारण केंद्र के आसपास के इलाकों में कंपन महसूस होने की संभावना रही। खंडवा जिले और आसपास के क्षेत्रों में पिछले कुछ सालों में भी भूकंप के झटके दर्ज किए गए हैं जिसमें 12 सितंबर 2025 को सुबह करीब 8:46 बजे खंडवा में 3.0 तीव्रता का भूकंप आया था। इसका केंद्र जमीन से करीब 5 किलोमीटर की गहराई पर था। 4 जून 2025 को रात करीब 9:57 बजे खंडवा, बुरहानपुर और नेपानगर में 3.8 तीव्रता के झटके महसूस किए गए थे। इसका केंद्र खंडवा से करीब 66 किलोमीटर दूर महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश सीमा के पास, अमरावती के नजदीक बताया गया था। 21 जून 2024 को सुबह 9:04 बजे खंडवा और पंधाना क्षेत्र में 3.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। इसका केंद्र खंडवा के आसपास जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

एनसीपी के दोनों गुटों का नहीं होगा विलय, एनडीए में शामिल हो सकते हैं शरद पवार

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के संभावित विलय की अटकलों पर अब विराम लग गया है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, शरद पवार का गुट भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने का विकल्प तलाश रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) बिना किसी विलय के ही एनडीए का हिस्सा बनने की संभावनाएं खंगाल रहा है। पहले ऐसी खबरें थीं कि दोनों गुट फिर से एक हो सकते हैं, लेकिन मौजूदा संकेतों से यह संभावना क्षीण होती दिख रही है। शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को दिल्ली में इस बात को साफ करते हुए कहा, विलय की चर्चा उसी पल खत्म हो गई थी जब मेरे भाई (अजीत पवार) ने पार्टी छोड़ी थी। यह बयान विलय की संभावनाओं पर पूर्ण विराम लगाता है।



सूत्रों के मुताबिक, शरद पवार का गुट एक स्वतंत्र पार्टी के रूप में सत्ताधारी गठबंधन महायुति में शामिल होने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहा है। माना जा रहा है कि अगर यह गुट एक अलग घटक दल के रूप में एनडीए में शामिल होता है, तो उन्हें केंद्र में कोई अहम मंत्रालय और राज्य मंत्रिमंडल में भी कोई पद मिल सकता है। इस बीच, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के कार्यालय से पार्टी विधायकों को फोन किए गए हैं ताकि उनका रुख और मौजूदा राजनीतिक हालात पर उनकी राय जानी जा सके। इस बातचीत के जरिए यह समझने की कोशिश की जा रही है कि क्या दोनों गुटों का विलय होना चाहिए या अन्य विकल्प तलाशे जाने चाहिए। एनसीपी (अजीत गुट) की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनेत्रा पवार, दोनों गुटों के विलय के खिलाफ हैं। उन्होंने महायुति के प्रदेश नेतृत्व को अपना रुख स्पष्ट कर दिया है और चेतावनी दी है कि विलय से उनके अपने गुट के अस्तित्व पर खतरा आ सकता है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि सुनेत्रा पवार ने यह भी संकेत दिया है कि अगर शरद पवार का गुट एक स्वतंत्र पार्टी के तौर पर एनडीए में शामिल होता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी।

कराची में 7 महीने से फंसे 6 नाविक, भारत ने पाकिस्तान से मांगी मदद

नई दिल्ली , एजेंसी। पाकिस्तान के कराची बंदरगाह पर पिछले करीब सात महीनों से छह भारतीय नाविक फंसे हुए हैं। इनमें भारतीय मर्चेंट नेवी के एक चीफ ऑफिसर भी शामिल हैं। परिवारों की लगातार अपील और नाविकों की स्वदेश वापसी में हो रही देरी के बीच भारत सरकार ने अब पाकिस्तान से राजनयिक स्तर पर सहायता मांगी है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार, 13 नवंबर को इसकी पुष्टि की। हालांकि, इस मामले में एक बड़ी पेचीदगी सामने आई है। भारत सरकार के मुताबिक, नाविकों की परेशानी सीधे तौर पर भारत और पाकिस्तान के बीच किसी राजनीतिक या कूटनीतिक विवाद से नहीं, बल्कि जहाज की मालिक कंपनी और उसके कर्मचारियों के बीच व्यावसायिक विवाद से जुड़ी है। यही वजह है कि नाविकों की वापसी में लगातार देरी हो रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत सरकार वहां फंसे नाविकों, उनकी शिपिंग कंपनी और कंपनी के एजेंट के संपर्क में है। उन्होंने पाकिस्तान से कांसुलर सहायता का अनुरोध किए जाने की पुष्टि की। जायसवाल ने कहा, हम वहां मौजूद इन लोगों के संपर्क में हैं, साथ ही उनके नियोक्ता यानी पोत परिवहन कंपनी और उनके एजेंट से भी बातचीत कर रहे हैं, और इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। हमने पाकिस्तानी पक्ष से राजनयिक सहायता का भी अनुरोध किया है। रिपोर्टों के मुताबिक, छह भारतीय नाविकों का जहाज 17 अप्रैल 2023 (मूल खबर में 2026 दिया गया था, जिसे 2023 किया गया है) को कराची बंदरगाह पहुंचा था। इसके बाद जहाज एक विवाद में उलझ गया और चालक दल के सदस्य वहीं फंसकर रह गए। इस मामले में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के मर्चेंट नेवी अधिकारी विनीत किशोर मिश्रा का नाम सामने आया है, जो ईरान की कंपनी के साथ काम कर रहे थे। परिवार के मुताबिक, जहाज के कराची पहुंचने के बाद कंपनी और बंदरगाह अधिकारियों के बीच विवाद शुरू हो गया, जिसका खामियाजा जहाज पर मौजूद भारतीय कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस मामले में एक अहम तकनीकी और कानूनी पहलू बताया। उनके मुताबिक, जहाज पर तैनात कर्मचारी अपनी ड्यूटी बीच में छोड़कर नहीं जा सकते। उनकी जगह दूसरे चालक दल की व्यवस्था करना जरूरी है। जब तक कंपनी नए कर्मचारियों को नहीं भेजती, तब तक मौजूदा चालक दल के सदस्यों के लिए जहाज से औपचारिक रूप से विदा लेना मुश्किल है। इस बीच, नाविकों के परिवारों ने उनकी स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई है। विनीत किशोर मिश्रा के परिवार का आरोप है कि जहाज पर मौजूद कर्मचारियों के पासपोर्ट जब्त कर लिए गए हैं, और बिजली आपूर्ति भी बंद कर दी गई है। परिवारों के मुताबिक, जहाज पर संचार व्यवस्था बेहद खराब है, जिससे नाविकों की अपने परिजनों से नियमित बातचीत नहीं हो पा रही है। कई बार करीब 15 दिनों में एक बार ही उनसे संपर्क हो पाता है। सरकार इस मामले का समाधान निकालने की कोशिश कर रही है।

सीएम मान को पाकिस्तान के न्योते पर विदेश मंत्रालय की दो टूक, कहा- राष्ट्रीय नीति का पालन करें सभी

लाहौर में विश्व पंजाबी सम्मेलन का मुख्य अतिथि बनने का मिला निमंत्रण

नई दिल्ली ,एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में होने वाले 'विश्व पंजाबी सम्मेलन' में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किए जाने पर विदेश मंत्रालय ने कहा है कि दूसरे देशों के साथ संबंधों को लेकर भारत की स्पष्ट राष्ट्रीय नीति है और सभी से इसका पालन करने की अपेक्षा की जाती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि विदेश जाने वाले जनप्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों को राजनीतिक मंजूरी देने के मामले में मंत्रालय निर्धारित प्रक्रिया के तहत आकलन करता है और उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाती है। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को लेकर भारत का रुख सभी के सामने स्पष्ट है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रमेश सिंह अरोड़ा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब विधानसभा के सदस्यों को पाकिस्तान आने का औपचारिक तथा मौखिक निमंत्रण दिया है। उन्होंने कहा कि यह निमंत्रण पाकिस्तान पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की ओर से भी दिया गया है। सम्मेलन लाहौर में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

एफएटीएफ बैठकों में भारत की सक्रिय भागीदारी- जायसवाल ने बताया कि भारत ने पेरिस में आयोजित वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की पूर्ण बैठक और कार्य समूह की बैठकों में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि एफएटीएफ अवैध वित्तीय गतिविधियों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करता है। भारत ने इन बैठकों में मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवाद के वित्तपोषण और सामूहिक विनाश के हथियारों के प्रसार के लिए होने वाली फंडिंग को रोकने वाले वैश्विक तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से भाग लिया।

दिल्ली के प्रदूषण में बायोमास और कार्बनिक एयरोसोल की 50.8 फीसदी रही हिस्सेदारी

-आईआईटीएम की रिपोर्ट से हुआ खुलासा, धुआं प्रदूषण का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत रहा

लखनऊ , एजेंसी। नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के प्रदूषण के स्रोतों के आकलन के मुताबिक बायोमास जलाना और द्वितीयक कार्बनिक एयरोसोल गुरुवार को दिल्ली के वायु प्रदूषण के सबसे बड़े कारण रहे। इन दोनों में से प्रत्येक का शहर के कुल प्रदूषण में 25.4 फीसदी योगदान रहा। वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत रहा, जिसका योगदान 17 फीसदी था।

वहीं, द्वितीयक अकार्बनिक एयरोसोल का प्रदूषण में योगदान 11.8 फीसदी रहा। द्वितीयक अकार्बनिक एयरोसोल में नाइट्रेट का योगदान 4.9 फीसदी, अमोनिया का 4.1 फीसदी और सल्फेट का 2.9 फीसदी रहा। द्वितीयक कार्बनिक एयरोसोल हवा में मौजूद बेहद छोटे ठोस कणों या तरल बूंदों को कहते हैं, जो सीधे किसी स्रोत से उत्सर्जित नहीं होते, बल्कि वायुमंडल में कई गैसों के बीच होने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाओं से बनते हैं। मिश्रित ईंधन दहन से 10.7 फीसदी प्रदूषण हुआ, जबकि पटाखों का योगदान 7.1 फीसदी रहा। नगरपालिका के कचरे और प्लास्टिक और रबर युक्त कचरे को जलाने से 1.5 फीसदी प्रदूषण हुआ। वहीं, खनिज धूल और राख का योगदान 0.9 और औद्योगिक उत्सर्जन का 0.2 फीसदी रहा।

विशेषज्ञों ने बताया कि द्वितीयक कार्बनिक एयरोसोल वायुमंडल में होने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाओं से बनते हैं। इनका स्रोत कुछ उद्योगों, डीजल और पेट्रोल वाहनों तथा बायोमास जलाने से होने वाला उत्सर्जन हो सकता है। दिल्ली में गुरुवार को धुंध की मोटी भूरी परत में लिपटी रही। इससे शहर की इमारतें और दूर तक का नजारा धुंधला नजर आया। हवा की गुणवत्ता और खराब होने से लोगों को खांसी, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ा। स्वच्छ हवा के बुनियादी अधिकार की मांग को लेकर शहरभर में विरोध प्रदर्शन जारी रहने के बीच दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई बुधवार के 313 से बढ़कर गुरुवार को 350 पर पहुंच गया, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में आता है।

दिवाली के बाद प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत रहे पटाखों का योगदान 7.1 फीसदी रह गया। सोमवार को दिल्ली के कुल प्रदूषण में पटाखों का योगदान 71.1 फीसदी और मंगलवार को 29.8 फीसदी था। बुधवार को यह 7.4 फीसदी रहा। दिल्ली के लिए निर्णय सहायता प्रणाली के मुताबिक शुक्रवार को परिवहन क्षेत्र से होने वाले प्रदूषण का योगदान बढ़कर 18.5 फीसदी होने का अनुमान है। इसके शुक्रवार को प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत बन सकता है।



परिसीमन और महिला आरक्षण कानून पास करने के लिए विशेष सत्र बुला सकती हैं मोदी सरकार

केंद्रीय मंत्रियों का दावा पास करने के लिए पर्याप्त संख्या बल मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी । केंद्र सरकार संसद का एक छोटा विशेष सत्र बुलाने पर विचार कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य परिसीमन और बहुप्रतीक्षित महिला आरक्षण कानून से जुड़े विधेयकों को जल्द से जल्द पारित कराना है। यह संभावित सत्र आगामी शीतकालीन सत्र से पहले आयोजित किया हो सकता है, जो 30 नवंबर या 4 दिसंबर को शुरू होने की संभावना है।बीजेपी सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार के पास अभी भी एक छोटा विशेष सत्र आयोजित करने के लिए पर्याप्त समय है। एक वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री ने हाल ही में संकेत दिया था कि विधायी पैकेज को पारित करने के लिए दो विकल्प हैं.....या एक विशेष सत्र में या फिर शीतकालीन सत्र में पारित कराया जाएं। हालांकि, पहले बीजेपी के सहयोगी दलों को संकेत दिया गया था कि इस शीतकालीन सत्र में पारित करने की अधिक संभावना है।

इन विधेयकों को पारित कराना मोदी सरकार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर महिला आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले लागू करने की दिशा में आखिरी मौका हो सकता है। 2029 में ही लोकसभा चुनाव होने हैं। इस विधायी पैकेज में एक संविधान संशोधन विधेयक प्रमुख है, जो कि परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक के साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए एक जटिल संख्याबल की जरुरत होती है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में अलग-अलग पारित करना होता है, जिसके लिए कुल सदस्यता के बहुमत के साथ-साथ मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई समर्थन की अनिवार्य शर्त होती है। इसतरह के विधेयकों को संयुक्त बैठक के जरिए पारित नहीं किया जा सकता। इसी जटिलता के चलते, अप्रैल में संख्याबल की कमी के कारण एक संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में गिर गया था।

वर्तमान संख्याबल पर और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लोकसभा में एनडीए के पास 320 सांसद हैं, जबकि राज्यसभा में यह संख्या 155 है। यदि सभी सांसद मतदान में भाग लेते हैं, तब दो-तिहाई बहुमत प्राप्त करने के लिए सरकार को लोकसभा में 360 मतों (जो वर्तमान संख्या से 40 कम हैं) और राज्यसभा में 161 मतों (जो 6 कम हैं) की आवश्यकता होगी।

हालांकि, एक वरिष्ठ बीजेपी नेता ने आत्मविश्वास जताकर दावा किया है कि मोदी सरकार के पास आवश्यक आंकड़े से लगभग 15 वोट अधिक हैं। केंद्र सरकार विपक्षी दलों की चिंताओं को दूर करने और उनका समर्थन या कम से कम मतदान से गैरहाजिरी सुनिश्चित करने की कोशिश में है।

संसदीय प्रक्रिया के अनुसार, 13 अगस्त को मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद से अब तक उसका सत्रावसान नहीं हुआ है। इस स्थिति का लाभ उठाते हुए, सरकार को सत्र बुलाने के लिए 14 दिनों के अनिवार्य नोटिस की आवश्यकता नहीं होगी, और वह किसी भी दिन बैठक बुला सकती है। यह विशेष सत्र के आयोजन की संभावना को और प्रबल करता है, जहां सरकार इन महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

जनजातीय विकास की दिशा में बढ़ते कदम



उमेश चतुर्वेदी

जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है।

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन अगर कामयाब हुआ तो इसलिए कि उसमें देश के हर वर्ग और तबके ने हिस्सा लिया था। जिस जनजातीय समुदाय को लेकर धारणा रही है कि वह मुख्यधारा से दूर रहा है, उस समुदाय ने भी भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में ना सिर्फ गहन भागीदारी की, बल्कि उसे अंजाम तक पहुंचाने में योगदान भी दिया। इसी समुदाय के थे बिरसा मुंडा, जिन्हें भगवान का दर्जा तक प्राप्त है। उनकी अगुआई में जनजातीय समुदाय ने स्वाधीनता का बिगुल फूंका था। स्वाधीनता आंदोलन में जनजातीय समुदाय की भागीदारी और उनके योगदान की स्मृति में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2021 में बिरसा मुंडा के जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया। इस लिहाज से इस बार छठवीं बार जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है।

जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है। इसकी वजह भी है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने कामकाज संभालने के बाद से ही जनजातीय विकास के लिए कई योजनाओं को ना सिर्फ शुरू कर रखा है, बल्कि उन्हें अंजाम तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

भगवान बिरसा मुंडा का जन्म सन् 1875 में झारखंड के रांची जिले के उलीहातू में हुआ था। बिरसा सिर्फ स्वाधीनता सेनानी ही नहीं, समाज सुधारक भी थे। बेहद कम उम्र में ही उन्होंने अंग्रेजों के अत्याचारों, भूमि छीने जाने, बेगारी आदि के विरुद्ध जनजातीय समुदायों को संगठित कर उलगुलान किया था। उलगुलान का अर्थ होता है, महान विद्रोह। सिर्फ 25 वर्ष की आयु में ही उन्होंने अपनी जिंदगी स्वाधीनता के नाम होम कर दी। इन्हीं बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पिछले साल मनाई गई थी। बहरहाल हमें यह भी याद रखना होगा कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जनजातीय समाज के दूसरी हस्तियों मसलन, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गैंदा



सिंह, वीर गुंडाधुर, ठाकुर रामप्रसाद पोर्ते, रानी दुर्गावती आदि को भी याद किया जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार इस दिवस को ना सिर्फ याद करती रही है, बल्कि उनकी याद में कई सारे विकास कार्यक्रमों को भी आगे लेकर आई है। इसमें सबसे प्रमुख है, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान यानी पीएम-जनमन योजना। इसे 15 नवंबर 2023 को तीन वर्ष के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया था। इस योजना के दायरे में देश के सभी आदिवासी समुदाय आते हैं। इसे स्वाधीन भारत के इतिहास की जनजातियों पर केंद्रित यह अब तक का सबसे बड़ा अभियान कहा जाना अतिशयोक्ति नहीं होगा। इस योजना में जनजातीय समुदाय के विकास से जुड़े नौ मंत्रालयों 11 महत्वपूर्ण गतिविधियां शामिल हैं। इसके तहत आवास, स्वच्छ पेयजल, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ-साथ स्थायी आजीविका के अवसर आदि की उपलब्धता तय की जा रही है। इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के लिए भारत सरकार द्वारा घोषित पांच विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों मसलन, बैगा, पहाड़ी कोरवा, कमार, अबूझमाड़िया एवं बिरहोर की बसाहटों का विकास किया जा रहा है, जिसमें 1545 ग्राम एवं 2365 छोटी बस्तियां शामिल हैं। इसके तहत राज्यम अब तक स्वीकृत 34,691 पक्के आवासों में से करीब 69 प्रतिशत यानी 24,218 आवास बनाए जा चुके हैं। इस योजना के तहत 2,901 किलोमीटर सड़कें बनाने को मंजूरी दी गई है, जिनमें से आधे से ज्यादा यानी करीब 1,833 किलोमीटर सड़क बनाई जा चुकी है। छत्तीसगढ़ ने राज्य के 7,349 जनजातीय परिवारों के घरों का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। राज्य में जनजातीय समुदायों के लिए 191 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत किए गए हैं और वे सारे कार्यरत हैं। इनमें से 187 के पास अपने भवन भी हैं। छत्तीसगढ़ सरकार से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार 1425 जनजातीय गांवों के लिए पेयजल योजना मंजूर की गई थी, जिनमें से 510 में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है। इसी तरह इन इलाकों के लिए 57 मेडिकल वैन संचालित किए जा रहे हैं। जिनके जरिए आदिवासियों के घरों तक अस्पताल पहुंच रहा है और छोटे रोगों का स्थानीय स्तर पर ही इलाज किया जा रहा है। राज्य के स्वीकृत सभी 16 वन अनुसंधान केंद्र भी पूरी तक काम कर रहे है। राज्य में जनजातीय समुदाय के छात्रों के लिए स्वीकृत चालीस छात्रावासों में से 29 में छात्र रहने लगे हैं, जिससे उन्हें सहूलियत हो रही है। राज्य में जनजातीय विकास के लिए 1719 कौशल विकास केंद्र स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 849 पूरी क्षमता के साथ चल रहे हैं, जहां आदिवासी समुदाय के बच्चों को स्थानीय स्तर पर कौशल विकास की दिशा में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

जनजातीय समुदाय के विकास की दिशा में एक और बड़ी योजना है, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान भी है। जिसे दो अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री मोदी ने शुरू किया। हजारीबाग से शुरू इस योजना के तहत 30 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों में फैले 63,000 से अधिक जनजाति बहुल गांवों को शामिल किया गया है। जाहिर है कि इसमें छत्तीसगढ़ के जनजातीय बहुल जिलों के 6691 गांव शामिल हैं। इसमें 17 मंत्रालयों की 25 योजनाएं और गतिविधियां जैसे पक्के घर, जल आपूर्ति, घरों का विद्युतीकरण, नई सौर ऊर्जा योजना, मोबाइल चिकित्सा इकाइयां, आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना, हॉस्टल, पोषण वाटिकाएं, एलपीजी कनेक्शन, भारतनेट, स्किल इंडिया मिशन, डिजिटल पहल, सतत कृषि को बढ़ावा, मछली पालन सहायता, वन अधिकार पत्र धारकों हेतु पशुधन पालन, वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन, बकरीपालन, ट्राइबल होमस्टे आदि शामिल हैं। इसके साथ ही जनजातीय समुदाय के विकास के लिए राज्य में वन अधिकार अधिनियम को लागू किया जा चुका है। इसके साथ ही विशेष रूप से जनजातीय समुदाय के लिए उपयोजना बजट व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ में साल 2023-24 में जहां 21,492 करोड़ 34 लाख रुपये आवंटित किए गए थे, वहीं साल 2026-27 के लिए 42,165 करोड़ 95 लाख 95 हजार रुपये। स्वीकृत किए गए थे। जाहिर है कि इन योजनाओं के जरिए छत्तीसगढ़ जहां जनजातीय समुदायों के गौरव को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है, वहीं इस समुदाय के लोगों को यह संदेश देने की कवायद में जुटा हुआ है कि वे भी देश के वैसे ही नागरिक हैं, जैसे दूसरे लोग हैं।

संपादकीय

चुभती महंगाई

बीते माह देश में खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों में उछाल से महंगाई दो साल के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। यह स्पष्ट है कि देश के केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति महंगाई को काबू में रखने में विफल रही है। चिंता की बात है यह महंगाई दर रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित छह फीसदी की तय अधिकतम सीमा को पार कर गई है। इसके साथ ही दिसंबर में होने वाली मौद्रिक नीति निर्धारण करने वाली कमेटी की बैठक में नीतिगत ब्याज दर में एक और बढ़ोतरी की आशंका बलवती हुई है। उल्लेखनीय है कि अक्तूबर में भी आरबीआई ने रेपो रेट में 25 आधार अंक का इजाफा किया था। पिछले एक साल से लगातार बढ़ रही खुदरा महंगाई का दो साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचना बताता है कि लोगों की क्रय शक्ति क्षमता में कमी आई है। जाहिर है इसका दबाव घरेलू बजट पर पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते माह उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई के आधार पर खुदरा महंगाई दर 6.09 प्रतिशत तक जा पहुंची है। जिसके चलते अगले माह की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो रेट बढ़ने की संभावना फिर प्रबल हो गई है। आशंका है कि इससे उपभोक्ताओं के घर व वाहन आदि के लोन की मासिक किस्ते लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। उल्लेखनीय है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों, जिनकी मूल्य सूचकांक निर्धारण में चालीस फीसदी की हिस्सेदारी होती है, की महंगाई बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। देश में सब्जियां, दालें और किराना का अन्य सामान महंगा हो गया है। वहीं अनाज, तिलहन और चीनी की कीमतों पर भी दबाव बना हुआ है। यहां उल्लेखनीय है कि अक्तूबर माह में खाद्य महंगाई दर बढ़कर 8.94 फीसदी हो गई है। यही वजह है कि लोगों को आशंका है कि उनके लिये आने वाली सर्दियों में मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

यूं तो महंगाई आजकल, वैश्विक उथल-पुथल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के कारण विश्वव्यापी समस्या हो गई है। खासकर रूस व यूक्रेन तथा खाड़ी में जारी संघर्ष के चलते पेट्रोलियम पदार्थों व उनसे बनने वाले उत्पादों की आपूर्ति बाधित हुई है। लेकिन भारत में बढ़ती महंगाई के कारणों में मौसम की संवेदनशीलता व मुद्रास्फीति भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि देश में घरेलू महंगाई दर लगातार बारहवें महीने बढ़ी है। खाने-पीने की चीजों के अलावा, इसमें परिवहन से जुड़े खर्च, कपड़े,आवास और भोजन से जुड़ी सेवाओं का भी योगदान रहा है। हालांकि, खाड़ी संघर्ष में स्थितियां सामान्य होने की ओर बढ़ने के बाद तेल की कीमतों में कुछ गिरावट आई है। यद्यपि, सीधे तौर पर उपभोक्ताओं को इसका लाभ न मिला हो,लेकिन दामों में कमी अपरोक्ष रूप से कुछ राहत देने वाली जरूर है। इसके बावजूद महंगाई का दबाव बना रहेगा। हालांकि, आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्य महंगाई दर अभी अपने चरम पर नहीं पहुंची है, जो कमजोर और असमान मानसून के असर को दर्शाती है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि वैश्विक स्तर पर खाने-पीने की चीजों की बढ़ती कीमतों ने घरेलू बाजार पर दबाव बढ़ा ही दिया है।

चिंतन-मनन

सफलता का मार्ग

संग्रह की वृत्ति बहिमरुखता का लक्षण है। साधक क्षणजीवी होता है। अतीत की स्मृति और भविष्य की चिंता वह करता है जो आत्मस्थ नहीं होता। वर्तमान में जीना आत्मस्थता का प्रतीक है। एक साधक कल की जरूरत को ध्यान में रखकर संग्रह नहीं करता, पर एक व्यवसायी सात पीढ़ियों के लिए पूरी व्यवस्था जुटाने में संलग्न रहता है। यह बात सही है कि साधक अशरीरी नहीं होता, शरीर की अपेक्षाओं को वह गौण नहीं कर सकता; पर दैहिक अपेक्षाओं को लेकर वह मूढ़ नहीं हो सकता। उसका विवेक जागृत रहता है। वह अपनी आवश्यकताओं को सीमित रखता है और आकांक्षाओं पर नियंत्रण रखता है।

कभी-कभी साधक के जीवन में भी स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति जाग सकती है। प्रश्न उठता है कि इन वृत्तियों का उत्स क्या है? कौन-सी अभिप्रेरणा इन्हें उभरने का अवसर देती है? मेरे अभिमत से इन तीन संस्कारों का उद्भव तीन आकारों से होता है। वे तीन आकार हैं- अहं, अश्रम और असंतोष। स्वच्छंदता की मनोवृत्ति वहीं सक्रिय होती है, जहां अहंकार का नाग फन उठाए रखता है। अहंवादी व्यक्ति स्वयं को सब कुछ समझता है। उसे अपने सामने अन्य सभी लोग बौने दिखाई देते हैं। ऐसी स्थिति में वह न तो किसी से मार्गदर्शन ले सकता है और न किसी के नियंत्रण में रह सकता है।

सुविधावाद का भाव वहां विकसित होता है जहां व्यक्ति श्रम से जी चुराता है, अपनी क्षमता का उपयोग नहीं करता और पुरुषार्थ में विश्वास नहीं करता। अश्रम का बीज ही आगे जाकर सुविधावाद के रूप में पल्लवित होता है। इस दृष्टि से साधना के साथ श्रमशीलता की युति आवश्यक है। संग्रह वृत्ति का बीज है असंतोष। जिस व्यक्ति को पदार्थ में संतोष नहीं होता, वह संग्रह करने की बात सोचता है। जिस समय जैसा पदार्थ उपलब्ध होगा, उसी से आवश्यकता की पूर्ति हो जाएगी- यह विधायक चिंतन असंतोष की जड़ को काट सकता है और संग्रह की मनोवृत्ति को बदल सकता है। साधना की सफलता स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति में नहीं है।





प्रलयः रणवीर की फिल्म की शूटिंग पर उठे सवाल

रणवीर सिंह अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि उनकी फिल्म की शूटिंग पर विवाद हो रहा है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने महाराष्ट्र खेल विभाग की तरफ से फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई के आजाद मैदान को इस्तेमाल करने की अनुमति दिए जाने पर आपत्ति जताई है। एसोसिएशन ने अधिकारियों पर आरोप लगाया है कि वे इस खेल मैदान का व्यावसायिक इस्तेमाल कर रहे हैं। इस शूटिंग की वजह से अंडर-14 और अंडर-16 इंटर-स्कूल मैचों को टालना पड़ा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एमसीए ने खेल विभाग के उप-निदेशक को पत्र लिखकर पूछा है कि व्यावसायिक अनुमति देने से पहले एसोसिएशन से सलाह क्यों नहीं ली गई। एमसीए एपेक्स काउंसिल के सदस्य नदीम मेमन ने बताया कि खेल विभाग युवा खिलाड़ियों की जरूरतों के बजाय व्यावसायिक बुकिंग को ज्यादा अहमियत दे रहा है।

मैदान पर अतिक्रमण का इल्जाम

मेमन ने कहा, 'आजाद मैदान का एक बड़ा हिस्सा पहले ही मेट्रो के निर्माण कार्य के लिए दे दिया गया था, मगर कई बार याद दिलाने के बावजूद ठेकेदारों ने अभी तक वह जगह खाली नहीं की है। मुंबई पुलिस भी अपनी मूल जगह पर वापस जाने के बजाय अभी भी मैदान पर कब्जा जमाए हुए है। अब यहां फिल्मों की शूटिंग की भी अनुमति दी जा रही है।'

मेमन ने उठाए सवाल

मेमन ने बताया कि फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग के लिए मैदान पर बड़े-बड़े सेट लगाए गए और खेलने वाली सतह पर कृत्रिम घास बिछा दी गई। आजाद मैदान ट्रेनिंग ग्राउंड है, न कि कोई व्यावसायिक जगह। धार्मिक आयोजनों, राजनीतिक रैलियों, मैराथन और प्रदर्शनियों की वजह से पहले भी यहां खेल गतिविधियों में रुकावटें आई हैं। मेमन ने सवाल उठाया कि युवा टूर्नामेंटों में आने वाली रुकावटों की जिम्मेदारी कौन लेगा? एमसीए ने अपने आधिकारिक पत्र में खेल विभाग से आग्रह किया है कि वे पहले से तय खेल आयोजनों को प्राथमिकता दें। एसोसिएशन ने जोर देकर कहा कि उनके अंडर-14 और अंडर-16 टूर्नामेंट काफी पहले से तय कर लिए जाते हैं और ये राज्य में क्रिकेट के विकास तंत्र का एक अहम हिस्सा हैं।

राज्य सरकार ने प्रोडक्शन हाउस 'लाइट रेज' को आजाद मैदान में 5000 वर्ग गज सरकारी जमीन का छह घंटे तक इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। इसके लिए 40000 रुपये का किराया और 40000 रुपये की रिफंडेबल सिक्योरिटी डिपॉजिट (सुरक्षा राशि) ली गई है। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, खेल उप निदेशक नवनाथ फर्टाडे ने कहा एक सरकारी प्रस्ताव (ठक्र) के तहत विभाग को यह अधिकार है कि वह साल में 30 दिनों तक आजाद मैदान को खेल-कूद के अलावा अन्य गतिविधियों के लिए आवंटित कर सकता है।

क्या बोले निर्माता

'प्रलय' के निर्माता हंसल मेहता ने बताया कि शूटिंग शुरू करने से पहले उनकी प्रोडक्शन टीम ने संबंधित अधिकारियों से सभी जरूरी अनुमतियां ले ली थीं।

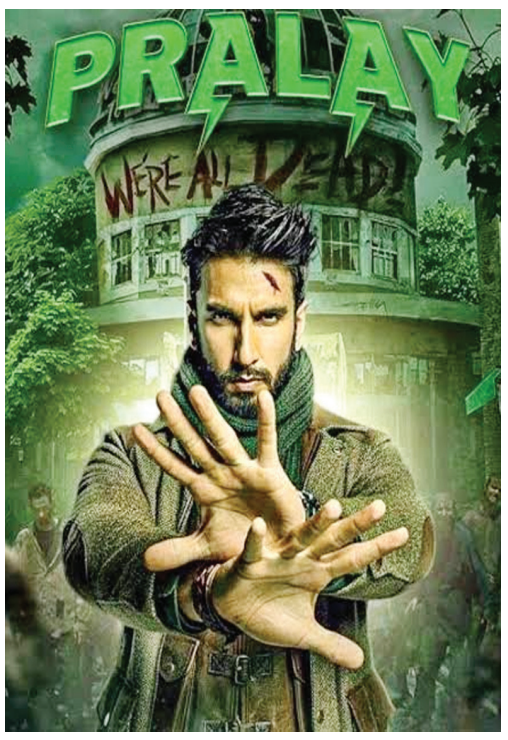



फिल्म 'लड़ाकू' से बतौर प्रोड्यूसर अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं कार्तिक आर्यन

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले कार्तिक आर्यन और कबीर खान की जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है। दोनों की अगली फिल्म का नाम और रिलीज डेट सामने आ गई है। बता दें कि फिल्म का नाम 'लड़ाकू' है। मेकर्स ने इसे एक ऐसी फिल्म बताया है, जो दर्शकों को भावुक करने के साथ प्रेरित भी करेगी। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ कार्तिक आर्यन बतौर प्रोडयूसर भी अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं।

बुधवार को बिरला स्टूडियोज ने फिल्म 'लड़ाकू' की रिलीज डेट का ऐलान किया। यह फिल्म 18 जून, 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को बिरला स्टूडियोज और कबीर खान एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं, डोपामिन स्टूडियोज के जरिए कार्तिक आर्यन भी बतौर निर्माता इस फिल्म से जुड़ रहे हैं। मेकर्स के मुताबिक, 'लड़ाकू' एक सच्ची घटना पर आधारित असाधारण कहानी है, जिसमें महत्वाकांक्षा, हिम्मत और उम्मीद की झलक देखने को मिलेगी। इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया जा रहा है। फिलहाल फिल्म की कहानी, बाकी कलाकारों और क्रू से जुड़ी जानकारी सामने नहीं आई है।

'चंदू चैंपियन' में कर चुके हैं साथ काम

बता दें कि कार्तिक आर्यन और कबीर खान इससे पहले साल 2024 में आई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'चंदू चैंपियन' में साथ काम कर चुके हैं। यह फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म को क्रिटिक्स की खूब तारीफ मिली थी। कई लोगों ने इसे कार्तिक के करियर की अब तक की बेहतरीन परफॉर्मेंस भी बताया था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को खास सफलता नहीं मिली। करीब 80 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने सिनेमाघरों में लगभग 88 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। बाद में ओटीटी पर रिलीज होने के बाद इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और यह फैंस की पसंदीदा फिल्मों में शामिल हो गई।



बॉलीवुड एक्ट्रेस राइमा सेन ने महल छोड़कर चुनी फिल्मों की दुनिया

फिल्म दुनिया में अपनी पहचान बनाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता है, लेकिन जब कोई शाही परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद अभिनय की राह चुनता है, तो उनकी कहानी और भी ज्यादा दिलचस्प हो जाती है। अभिनेत्री राइमा सेन भी शाही परिवार से आती हैं, जिनका नाता राजघराने से रहा है। शाही परिवार से पली-बढ़ी राइमा ने ग्लैमर की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने का फैसला किया। 7 नवंबर 1979 को मुंबई में जन्मी अभिनेत्री राइमा सेन शाही परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता भरत देव वर्मा त्रिपुरा के शाही परिवार के सदस्य हैं। उनकी दादी, इला देवी, कूच बिहार की राजकुमारी थीं और उनकी छोटी बहन गायत्री देवी जयपुर की महारानी थीं। वहीं, अभिनेत्री की मां मुनमुन सेन जानी-मानी अभिनेत्री हैं और उनकी नानी सुचित्रा सेन बंगाली सिनेमा की महान नायिका (महानायिका) मानी जाती थीं। घर में नानी और मां के अभिनय से जुड़े होने के कारण उन्हें अभिनय की दुनिया विरासत में मिली। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 1999 में आई फिल्म 'गॉडमदर' से की थी, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया। इसके बाद वे फिल्म 'दमन' में नजर आईं। बंगाली सिनेमा में रितुपर्णो घोष की फिल्म 'चोखेर बाली' में ऐश्वर्या राय के साथ उनके काम की बहुत सराहना हुई थी। इसके अलावा वह प्रमुख बंगाली फिल्मों 'बैशे श्राबोन', 'नौका डूबी', 'हृद मझारे' और 'माछ मिष्टी एंड मोर' में नजर आई थीं। उन्होंने साल 2005 में विद्या बालन के साथ फिल्म 'परिणीता' में काम किया, जिससे उन्हें हिंदी सिनेमा में भी बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म में उन्होंने सैफ अली खान और विद्या बालन के साथ काम किया था। साल 2011 में अभिनेत्री 'बैशे श्राबोन' में नजर आई थीं। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के साथ-साथ राइमा सेन के काम की भी सराहना हुई थी। उन्होंने 'द जापानी वाइफ', 'हनीमून ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड', 'द वैक्सीन वॉर' और 'मिस्ट्री चेज़' जैसी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। उनकी प्रमुख वेब सीरीज में 'हैलो!', 'द लास्ट ऑवर' और 'माई' शामिल हैं।



आईपीएस अफसर किरदार निभाने के लिए खुद से ज्यादा निर्देशक को भरोसा था

निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी पैन-इंडियन एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'ओमः चैप्टर 1- उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी आईपीएस अफसर के किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि इस किरदार को निभाने के लिए उनसे ज्यादा निर्देशक को उन पर ज्यादा भरोसा था। शुक्रवार को साईराम इंजीनियरिंग कॉलेज में हुए फिल्म के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च इवेंट में हिस्सा लेते हुए साई पल्लवी ने कहा, 'राजकुमार पेरियासामी कमाल के निर्देशक हैं। मैंने उन्हें पिछली फिल्म में ही कह दिया था कि मैं उनकी अगली फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हूं लेकिन उन्होंने मेरी बात को सीरियस लिया और यह फिल्म बनाई। मेरे पुलिसवाले रोल पर उन्हें मुझसे भी ज्यादा भरोसा था। स्टंट सीक्वेंस पर काम करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव था। राजकुमार सर ने इस किरदार को कई परतों के साथ लिखा है। वो हर एक्ट्रेस के ड्रीम डायरेक्टर हैं, जिस तरह से वो महिलाओं के किरदार लिखते हैं, वो कमाल है।' अभिनेत्री ने बताया कि उनकी पिछली फिल्म 'अमरन' में उनके किरदार को पूरे समय 'ममूटी' कहकर पुकारा जाता था और अब उन्हें उसी मलयालम सुपरस्टार के साथ काम करने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, 'पिछली फिल्म में ममूटी-ममूटी कहकर अब ममूटी सर के साथ। पता नहीं क्या मैंने इसे मैनिफेस्ट कर लिया था।' फिल्म 'ओमः चैप्टर 1 - उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी एक कड़क और शक्तिशाली पुलिस अधिकारी नित्या रेड्डी (आईपीएस/सीबीआई अधिकारी) की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म लाल चंदन की अवैध तस्करी के इर्द-गिर्द घूमती है। नित्या रेड्डी इसी तस्करी के नेटवर्क की जांच करने के लिए 'ऑपरेशन ओम' के तहत मैदान में उतरती हैं। उनकी जांच के पीछे एक व्यक्तिगत नुकसान की वजह जुड़ी है, जो उन्हें न्याय पाने के लिए प्रेरित करती है।

'बेवफा सनम' में नील नितिन मुकेश के साथ काम कर बोलीं कशिका कपूर



अभिनेत्री कशिका कपूर सॉन्ग 'बेवफा से' में नील नितिन मुकेश के साथ नजर आ रही हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए कशिका ने बताया कि वह कभी आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं। अभिनेत्री कशिका कपूर ने बातचीत में अभिनेता नील नितिन मुकेश के साथ काम करने के अनुभव को मजेदार बताते हुए कहा, 'किसी सीनियर एक्टर से आपको हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और नील को इंडस्ट्री में कई साल काम करने का काफी अनुभव है। यह एक शानदार सीखने वाला अनुभव था और हमने खूब मस्ती भी की। कभी ऐसा लगा ही नहीं कि मैं किसी इतने सीनियर एक्टर के साथ काम कर रही हूं।' अभिनेत्री ने बताया कि शूट होने से पहले उन्हें गाने के बारे में ज्यादा बातें नहीं बताई गई थीं। उन्होंने कहा, 'नील नितिन मुकेश के आने से कुछ महीने पहले ही यह प्रोजेक्ट लॉक हो गया था, लेकिन हमें नहीं पता था कि यह गाना सच में बनेगा या इसका कॉन्सेप्ट क्या होगा। आखिर में जब नील नितिन मुकेश फाइनल हुए तो मेकर्स ने गाने की धुन को देखते हुए इसमें एक डांस नंबर जोड़ने का फैसला किया। हमने रिहर्सल शुरू की और सब कुछ काफी अच्छा हुआ। तभी कहानी भी तैयार हुई। कशिका कपूर ने बताया, 'मुझे उम्मीद थी कि गाना लोगों को पसंद आएगा, लेकिन जो रिस्पॉन्स मिल रहा है, वो कमाल का है। मुझे लगता है जेन जी इस कहानी से इसलिए जुड़ रहे है, क्योंकि हमारी जनरेशन में ऐसी चीजें काफी आम होती जा रही हैं। ओपन रिलेशनशिप और धोखा जैसी चीजें हम अपने आसपास देखते हैं और शायद यही वजह है कि दर्शक इस गाने से इतना जुड़ाव महसूस कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'लोगों ने हमारे गाने को खुले दिल से अपनाया है और इतना प्यार दिया है। मैं इस रिस्पॉन्स के लिए बहुत आभारी हूं।

अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार करना हमेशा मजेदार होता है

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने अपनी आगामी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' के रिलीज से पहले कहा है कि किसी फिल्म या किरदार का चुनाव करते समय वह अपने अंदर के बच्चे की बात सुनती हैं। फिल्म के प्रचार के दौरान मुंबई में अपने सह-कलाकार पंकज त्रिपाठी के साथ बातचीत में अदिति ने कहा कि उन्हें इस फिल्म की कहानी बेहद प्यारी लगी। उन्होंने कहा, मुझे यह एक साधारण जिंदगी से जुड़ी कहानी वाली फिल्म लगी। इसके साथ जुड़े लोग भी ऐसे थे, जिनके साथ काम करने का मौका मुझे आम तौर पर नहीं मिलता। यही सब बातें थीं, जिन्होंने मुझे यह फिल्म करने के लिए प्रेरित किया। अदिति ने कहा कि एक अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार में काम करना हमेशा मजेदार होता है। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में एक हल्कापन था, जो मुझे बहुत पसंद आया। मैं बस इसे करना चाहती थी। मैंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मेरे भीतर एक उत्साह और सहज भावना थी। मैं अपने अंदर के बच्चे की सुनती हूं। अगर किसी चीज को लेकर मैं उत्साहित होती हूं, तो मेरे लिए उस सफर का महत्व सबसे ज्यादा होता है क्योंकि परिणाम मेरे हाथ में नहीं होता।' उन्होंने कहा, 'अगर यात्रा मजेदार हो, उसमें रोमांच हो, सीखने का अवसर हो और अच्छे लोग साथ हों, तो वही सबसे महत्वपूर्ण होता है। आखिरकार वही अनुभव आपके साथ हमेशा रहता है।'



वैभव सूर्यवंशी टी-20 इतिहास के सबसे युवा कप्तान बने



इंदौर के होलकर स्टेडियम में दर्शकों का अभिवादन स्वीकारते युवा क्रिकेटर वैभव।

वैभव के कप्तानी डेब्यू मैच में बिहार टीम हारी, सौराष्ट्र 5 विकेट से जीता

● इंदौर / खेल संवाददाता

वैभव सूर्यवंशी ने एक और विश्व रिकॉर्ड बना दिया। वह शनिवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में टी-20 इतिहास के सबसे युवा कप्तान बन गए। सूर्यवंशी ने 15 साल 232 दिन में बिहार की कमान संभालकर क्रोएशिया के जैक वुकुसिक (17 साल 311 दिन, 2025, बनाम साइप्रस) का रिकॉर्ड तोड़ा । हालांकि सूर्यवंशी की टीम को सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के पहले मुकाबले में सौराष्ट्र के हाथों पांच विकेट से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। मुकाबले में सूर्यवंशी ने 12 गेंद में 18 रन बनाए । बाएं हाथ के तेज गेंदबाज चेतन सकारिया की गेंद पर उन्हीं को कैच दे बैठे। बिहार ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, उनकी टीम 9 विकेट पर 137 रन बना सकी ।



पंजाब ने हरियाणा को 4 विकेट से हराया

पंजाब ने हरियाणा को पांच गेंद शेष रहते 4 विकेट से पराजित किया । डेली कॉलेज मैदान पर खेले गए मुकाबले में पंजाब ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी चुनी। हरियाणा की टीम ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 190 रन बनाए। दिनेश बाना ने सर्वाधिक 42 रन बनाए। जवाब में पंजाब की टीम ने विहान मल्होत्रा के 86 रनों की बदौलत 5 गेंद शेष रहते 6 विकेट खोकर 19.1 ओवर में विजयश्री हासिल कर ली । उदय सहारन 42 रन बनाकर नाबाद रहे ।

मुंबई ने हैदराबाद को हराया

सूर्यकुमार यादव ने खेली तूफानी पारी



पूर्व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अपने बल्ले से आलोचकों को करारा जवाब दिया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप डी मुकाबले में सूर्यकुमार ने हैदराबाद के खिलाफ महज 21 गेंदों में नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत मुंबई ने हैदराबाद को सात विकेट से करारी शिकस्त दी। मुंबई ने 173 रन का लक्ष्य केवल 13.1 ओवर में तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। जादवपुर यूनिवर्सिटी कैंपस ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में सूर्यकुमार यादव ने अपनी पारी के दौरान छह चौके और पांच छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 285.71 रहा। उन्होंने महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। सूर्यकुमार की आक्रामक बल्लेबाजी के सामने हैदराबाद के गेंदबाज पूरी तरह बेबस नजर आए।

पाक को 1 विकेट से हराकर यंग इंडिया बनी अंडर-19 एशिया कप चैम्पियन

मोहित उलवा और मनल चौहान ने रोमांचक मैच में पाकिस्तान के जबड़े से छीन ली जीत

● अल अमेरात

अंडर-19 एशिया कप 2026 के खिताबी मुकाबले में शनिवार को भारतीय युवा ब्रिगेड ने करिश्माई प्रदर्शन करते हुए चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 1 विकेट से हराकर इतिहास रच दिया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने रिकॉर्ड 9वीं बार अंडर-19 एशिया कप की ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया है। इस खिताबी जीत के साथ भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान से अपना दोहरा बदला भी पूरा कर लिया है। भारत ने न केवल पिछले अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान से मिली हार का हिसाब चुकता किया।



पाकिस्तान ने बनाया 337 रनों का स्कोर

मुकाबले में पाकिस्तान के कप्तान फरहान यूसुफ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने करने का फैसला किया था। पाकिस्तान ने निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 337 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया। पाकिस्तान की ओर से उस्मान खान ने सबसे बड़ी पारी खेलते हुए 111 गेंदों पर 107 रन बनाए। मध्यक्रम में अब्दुल कादिर ने 54 गेंदों पर 80 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जबकि कप्तान फरहान यूसुफ ने भी 60 गेंदों पर 63 रनों का योगदान दिया। भारत की ओर से गेंदबाजी में काव्या पटेल सबसे सफल रहे, जिन्होंने 10 ओवर में 68 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वहीं, चिगुरुपति वेंकट ने 5 ओवर में 40 रन खर्च कर 3 विकेट अपने नाम किए।

आर्यवीर और लक्ष्य की शानदार शुरुआत

338 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को सलामी बल्लेबाजों ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई। चोट से जूझते हुए खेल रहे आर्यवीर सहवाग (61 गेंदों पर 58 रन) और कप्तान लक्ष्य रायचंदानी (101 गेंदों पर 80 रन) ने पहले विकेट के लिए 95 रनों की मजबूत साझेदारी कर जीत की नींव रखी। हालांकि, इन दोनों के आउट होने के बाद मध्यक्रम के बल्लेबाज दबाव में बिखर गए और भारत ने लगातार अंतराल पर अपने 8 विकेट गंवा दिए।

8 विकेट खोने के बाद पलटी बाजी

एक समय भारत के 8 विकेट गिर चुके थे और पाकिस्तान जीत का जश्न मनाने की तैयारी कर रहा था। लेकिन ऐसे बेहद दबाव भरे और नाजुक मोड़ पर मोहित उलवा और मनल चौहान भारत के लिए संकटमोचक बनकर उभरे। दोनों युवा बल्लेबाजों ने जिस निडरता और संयम का परिचय दिया, वह भारतीय क्रिकेट इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया है। दोनों ने 9वें विकेट के लिए महज 35 गेंदों पर 57 रनों की विस्फोटक साझेदारी कर मैच में भारत की सनसनीखेज वापसी कराई। मनल चौहान ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों पर 47 रनों की बेशकीमती पारी खेली और मैच को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। मनल चौहान के आउट होने के बाद भी मोहित उलवा ने हिम्मत नहीं हारी और पाकिस्तान के मुंह से जीत छीन ली। मोहित ने आखिरी बल्लेबाज चिगुरुपति वेंकट के साथ मिलकर 10वें विकेट के लिए 16 गेंदों पर 30 रनों की करिश्माई साझेदारी की और टीम इंडिया को 1 विकेट से यादगार जीत दिला दी। मोहित उलवा ने महज 26 गेंदों पर नाबाद 49 रनों की तूफानी पारी खेली। अपनी इस ऐतिहासिक पारी के दौरान मोहित ने 5 शानदार चौके और 3 गगनचुंबी छक्के जड़े।

आरपीएफ में तैनात पिता ने पहचाना मोहित का टैलेंट

18 साल के दाएं हाथ के मध्यम गति के तेज गेंदबाज और बल्लेबाज मोहित उलवा के क्रिकेट सफर की शुरुआत उनके गांव में टेनिस बॉल क्रिकेट से हुई थी। मोहित के पिता रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स में कार्यरत हैं। उन्होंने अपने बेटे के भीतर छिपी प्रतिभा को समय रहते पहचान लिया और उन्हें प्रोफेशनल क्रिकेट अकादमी में ट्रेनिंग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। पिता के इसी भरोसे ने मोहित को जामनगर के प्रसिद्ध क्रिकेट बंगला तक पहुंचाया, जहां उन्हें दिग्गज कोच महेंद्रसिंह चौहान का मार्गदर्शन मिला, वही कोच जिन्होंने भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को भी तराशा है। मोहित उलवा ने शुरुआत एक तेज गेंदबाज के रूप में नहीं की थी। अकादमी में जब वे आए थे, तो वे ऑफ-स्पिन गेंदबाजी का अभ्यास करते थे। हालांकि, कोच महेंद्रसिंह चौहान ने उनकी शारीरिक बनावट और दौड़ने की क्षमता को परखा और उनके खेल का एक नया पहलू विकसित करने का फैसला किया। मोहित की छरहरी काया और तेज दौड़ने की काबिलियत को देखते हुए कोच चौहान ने उन्हें तेज गेंदबाजी आजमाने की सलाह दी।

मोहित की सौराष्ट्र की सीनियर टीम में एंट्री, अब आएंगे इंदौर

अंडर-19 एशिया कप 2026 के खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ मैच जिताऊ पारी खेलकर भारत को चैंपियन बनाने वाले 18 साल के मोहित उलवा को कुछ ही घंटों के भीतर बड़ा इनाम मिला है। सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन ने उन्हें जारी घरेलू टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए सौराष्ट्र की सीनियर टीम में शामिल करने का फैसला किया है। शनिवार को ओमान में हुए फाइनल मुकाबले में उनके असाधारण प्रदर्शन को देखते हुए एसोसिएशन ने उन्हें तुरंत इंदौर पहुंचकर टीम से जुड़ने का निर्देश दिया है।



कुमामोटो मास्टर्स जापान के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य

● नई दिल्ली

लक्ष्य सेन लगातार दूसरे बीडब्ल्यूएफ टूर टाइटल के करीब हैं। सेन ने शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को हराकर कुमामोटो मास्टर्स जापान 2026 के एकल फाइनल में जगह बनाई। सेन ने 70 मिनट तक चले मुकाबले में फरहान को 21-12, 15-21, 21-11 से हराया।

यह फरहान पर सेन की पहली जीत थी। इससे पहले वे अपने दोनों मैच हार चुके थे। सेन ने शुरुआती गेम में माहौल बनाया, रैलियों में पहल की और फरहान को बैकफुट पर रखा। वह नेट पर खास तौर पर प्रभावी थे। फ्रंटकोर्ट में उनके तेज खेल ने उन्हें स्पीड तय करने और पहला गेम 21-12 से जीतने में मदद की। फरहान ने दूसरे सेट में जवाब दिया, अपनी गति और कोर्ट कवरेज का इस्तेमाल करके सेन को खींचा और मैच को डिसाइडर तक पहुंचाया।

लेकिन भारतीय खिलाड़ी जल्दबाजी में गेम नहीं खेल पाया। सेन ने अटैक करने के लिए मौके का इंतजार किया। अपने स्मैश को सही टाइम पर लगाकर आखिरी गेम 21-11 से जीत लिया।

छेड़छाड़ से परेशान महिला क्रिकेटर ने की आत्महत्या

● नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अंडर-19 महिला क्रिकेटर तेलंगाना की 17 साल की नंदिनी ने शहर के मधु कॉलोनी में अपनी दादी के घर पर आत्महत्या कर ली। नंदिनी का हाल ही में अंडर-19 टीम में चयन हुआ था। नंदिनी के लिए इंसाफ की मांग करते हुए, उसके परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों ने सड़क पर विरोध प्रदर्शन किया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। विकाराबाद सर्कल इंस्पेक्टर रघु ने कहा कि पुलिस को शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे नंदिनी की मौत की जानकारी मिली और तुरंत एक टीम मौके पर भेजी गई। सर्किल इंस्पेक्टर ने पुष्टि की है कि परिवार ने दो लोगों के खिलाफ उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

ब्रीफ न्यूज

सेंट्रल जोन इंटर यूनिवर्सिटी फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए एलएनसीटी की टीम कानपुर हुई रवाना



भोपाल, आरएनएन। भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के तत्वावधान में आयोजित एआईयू सेंट्रल जोन इंटर-यूनिवर्सिटी फुटबॉल टूर्नामेंट 2026-27 में भाग लेने के लिए एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, भोपाल की फुटबॉल टीम 13 नवंबर को कानपुर के लिए रवाना हुई। प्रतियोगिता का आयोजन 14 से 21 नवंबर तक छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू), कानपुर में किया जा रहा है। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी की टीम अपने अभियान की शुरुआत 15 नवंबर को विक्रांत यूनिवर्सिटी, ग्वालियर के विरुद्ध करेगी। एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति जय नारायण चौकसे और डॉ. अनुपम चौकसे, कुलाधिपति जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भोपाल ने टीम के सभी खिलाड़ियों एवं कोच को प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

आरएनटीयू में राज्य स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप में हुनर का प्रदर्शन कर रहे युवा



भोपाल, खेल संवाददाता। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) में शनिवार को 7वीं राज्य स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप शुरू हुई। विश्वविद्यालय और मध्य प्रदेश योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। तीन दिवसीय प्रतियोगिता 14 से 16 नवंबर तक विश्वविद्यालय परिसर स्थित शारदा ऑडिटोरियम में आयोजित की जा रही है। उद्घाटन समारोह में मध्य प्रदेश योग आयोग के अध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में वेद प्रकाश शर्मा और दिनेश सिंह ठाकुर शामिल हुए।

कमल सहित 6 खिलाड़ी मुख्य दौर में

यशवंत क्लब में वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप में रोमांचक मुकाबले जारी

● इंदौर / खेल संवाददाता



भारतीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर महासंघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर मध्य प्रदेश बिलियर्ड्स एवं स्नूकर संघ द्वारा शहर के प्रतिष्ठित यशवंत क्लब में खेली जा रही आईबीएसएफ वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप 2026 में स्थानीय खिलाड़ियों ने धमाकेदार प्रदर्शन किया।

फेज 1 में लगातार तीन मुकाबले जीतते हुए पीयूष कुशवाह,कमल चावला ने मुख्य दौर में अपनी जगह बना ली है । वहीं भारत के ही क्रिश गुरबक्शानी, एस. श्रीकृष्ण, रणवीर दुग्गल व दिग्विजय कादियान तथा हांगकांग के वांग युचेन और फू क्वोक वाई ने भी स्टेज 2 में स्थान बना लिया है। आईबीएसएफ वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप में स्नूकर के कड़े मुकाबलों के बाद, इंदौर के यशवंत क्लब में छह भारतीय खिलाड़ियों और हांगकांग के दो खिलाड़ियों ने अपने पहले ही प्रयास में स्टेज 2 में अपनी जगह पक्की कर ली।

सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

पांचवां और अंतिम वनडे मुकाबला आज सुबह 7:30 बजे से होगा शुरू

● माउंट मोनगानुई

भारतीय टीम रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम एकदिवसीय में सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी। स्विंग लेती गेंदों के सामने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है क्योंकि इस मुकाबले से श्रृंखला का नतीजा भी तय होगा।

भारत शुक्रवार को यहां एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में अपनी दूसरी सबसे बड़ी हार झेलने के बावजूद श्रृंखला में 2-1 से आगे है। स्विंग और सीम की अनुकूल परिस्थितियों में भारतीय बल्लेबाज नाकाम रहे और मैट हेनरी ने शुरुआती ओवर में ही तीन विकेट झटककर टीम की जीत लगभग सुनिश्चित कर दी। भारत को तेज गेंदबाजी की अनुकूल पिचों पर प्रदर्शन में सुधार करना होगा क्योंकि 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप में ऐसी ही परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।



टीमें इस प्रकार हैं

भारत: श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, इशान किशन, अक्षर पटेल, नमन धीर, आकिब नबी, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर, फिन एलेन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, मिच हे, निक केली, ब्रेट रैंडेल, टिम सीफर्ट, ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

चैंपियनशिप — सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग और हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर होंगे शामिल

नारी शक्ति को समर्पित हॉकी वॉकथॉन का आयोजन आज

● भोपाल / खेल संवाददाता

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के नेतृत्व में एशियन वूमेंस हॉकी चैंपियन्स ट्रॉफी भोपाल-2026 के शुभारंभ के पूर्व हॉकी वॉकथॉन का आयोजन किया जा रहा है।

यह वॉकथॉन 15 नवंबर को सुबह 7:30 बजे होटल लेकव्यू रंजीत से वन विहार तक निकाली जाएगी। वॉकथॉन में भारतीय हॉकी के स्टार खिलाड़ी व प्रदेश के गौरव विवेक सागर विशिष्ट अतिथि के रुप में शामिल होंगे। इसके साथ ही भोपाल शहर के खिलाड़ी, फिटनेस प्रेमी, व्यवसायी, सामाजिक संस्था के प्रतिनिधि, युवा संगठन, प्रबुद्धजन सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल होंगे। मंत्री सारंग ने बताया कि यह वॉकथॉन नारी शक्ति को समर्पित है, जिसका उद्देश्य महिला हॉकी के प्रति जन-जागरुकता बढ़ाना, महिला खिलाड़ियों के अदम्य साहस, प्रतिभा और उपलब्धियों का सम्मान करना है। एक समय भोपाल को हॉकी की नर्सरी के रूप में विशिष्ट पहचान प्राप्त थी।

मध्यप्रदेश ने हॉकी के खेल में अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिए हैं। जिन्होंने वैश्विक मंच पर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। मध्यप्रदेश को अंतरराष्ट्रीय हॉकी के मानचित्र पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में एशियन वूमेंस हॉकी चैंपियन्स ट्रॉफी भोपालमील का पत्थर साबित होगी। मंत्री सारंग ने आह्वान किया है कि बड़ी संख्या में नारी शक्ति के सम्मान, महिला हॉकी के प्रोत्साहन और भोपाल की गौरवशाली हॉकी विरासत को पुनर्जीवित करने के इस वॉकथॉन का हिस्सा बनें।



जापान की महिला हॉकी टीम ने किया अभ्यास

जापान की महिला हॉकी टीम 14 नवंबर 2026 को भोपाल पहुंची। यह टीम आगामी महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में हिस्सा लेगी, जो 19 से 28 नवंबर तक नाथू बरखेड़ा स्थित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेली जाएगी। शाम को जापान की टीम ने अभ्यास किया। जापान की टीम भोपाल पहुंचने वाली पहली टीम है। राजा भोज एयरपोर्ट पर पारंपरिक रूप से तिलक लगाकर और शॉल ओढ़ाकर टीम का स्वागत किया गया। इस टूर्नामेंट में भारत, जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड की टीमें हिस्सा ले रही हैं। जापान और दक्षिण कोरिया के बीच प्रतियोगिता का पहला मुकाबला 19 नवंबर को दोपहर 3:15 बजे खेला जाएगा।

50000 से ज्यादा यात्रियों ने किया सफर

आनंद विहार स्टेशन पर उमड़ी भारी भीड़

नईदिल्ली, एजेंसी। छठ महापर्व पर घर जाने वालों भीड़ आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर देखने केा मिली। बिहार और पूर्वांचल की ओर जाने वाली ट्रेनों में सफर करने के लिए बड़ी संख्या में यात्री यहां पहुंचे।

बुधवार को रेलवे स्टेशन से 50 हजार से अधिक यात्री अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। यात्रियों की संख्या अधिक होने के कारण रेलवे प्रशासन को भीड़ नियंत्रित करने के लिए होल्डिंग एरिया का सहारा लेना पड़ा।



उधर, बस अड्डे पर भी खासी भीड़ देखी गई। जो यात्री ट्रेन से नहीं जा सके वे बसों के ब्रेक जर्नी कर अपने घरों के लिए रवाना हुए। शुक्रवार से शुरू हो रहे छठ महापर्व के चलते गुरुवार को बड़ी संख्या में लोग घर जाने के लिए आनंद विहार रेलवे स्टेशन से रवाना हुए। पूर्वांचल और बिहार जाने वाली बीस ट्रेनों के अलावा सात विशेष ट्रेनों का संचालन भी किया गया था। यात्री सुमित साहू ने बताया कि छठ पर परिवार के साथ बिहार जाना है। भीड़ इतनी अधिक है कि बच्चों और सामान को संभालना मुश्किल हो रहा है। ट्रेन का इंतजार भी काफी देर तक करना पड़ा। विशेष झा ने बताया कि त्योहार पर घर पहुंचने की जल्दी है। भीड़ के कारण प्लेटफॉर्म तक पहुंचने और ट्रेन में सवार होने में परेशानी हुई।

रेलवे स्टेशन के साथ आनंद विहार अंतरराज्यीय बस अड्डे पर भी यात्रियों का हुजूम उमड़ा। प्रयागराज, गोरखपुर, आजमगढ़, अयोध्या और बनारस जाने वाली बसों में सवार होने के लिए लोग इंतजार करते रहे। परिवार और सामान के साथ यात्री जल्द से जल्द अपने घर पहुंचने की कोशिश में जुटे रहे।

प्लेटफार्म पर यात्रियों की भीड़

इसके लिए सुबह से ही लोग स्टेशन पहुंचने लगे। टिकट लेने के बाद प्लेटफार्म पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने पर उन्हें होल्डिंग एरिया में रोका गया। प्लेटफार्म पर जगह बनने और ट्रेन आने के अनुसार यात्रियों को आगे जाने दिया गया इसके बावजूद यात्रियों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। सिर पर बैग और हाथों में बच्चों का सामान लिए लोग ट्रेन पकड़ने के लिए बेताब दिखे। फुटओवर ब्रिज पर भी यात्रियों की आवाजाही का दबाव बना रहा। सुरक्षा कर्मियों को भीड़ नियंत्रित करने के लिए मशक्कत करनी पड़ी।

डीयू के सत्यवती कॉलेज में छात्रा से यौन उत्पीड़न के आरोप, महिला आयोग ने प्रिंसिपल से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती कॉलेज में एक छात्रा द्वारा एसोसिएट प्रोफेसर पर लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों पर दिल्ली महिला आयोग ने स्वत संज्ञान लिया है। आयोग की अध्यक्ष लता गुप्ता ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कॉलेज के प्राचार्य को पत्र लिखकर शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करने और निष्पक्ष व समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। ब्योरा (एक्शन टेकन रिपोर्ट) संबंधित दस्तावेजों और अभिलेखों के साथ मांगा है। साथ ही आरोपों की जांच कर दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई करने को कहा है। आयोग ने कॉलेज प्रशासन को परिसर में छात्राओं और महिला कर्मचारियों की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के भी निर्देश दिए हैं। इसके अलावा आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) को सक्रिय और प्रभावी बनाने और यौन उत्पीड़न से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण की निर्धारित प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करने को कहा है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कालेज में जरूरी संस्थागत व्यवस्थाएं की जाएं।

संक्षिप्त समाचार

मोदी मंत्रिपरिषद की बैठक 18 नवंबर को होने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18 नवंबर को अपने पूरे मंत्रिपरिषद के साथ बैठक



कर सकते हैं। इस दौरान उनसे शासन, सुधारों और कल्याण एवं विकास योजनाओं के संबंध में महिलाओं और युवाओं तक पहुंच बनाने सहित कई मुद्दों पर चर्चा करने की उम्मीद है। यह बैठक उस जारी प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य मंत्रियों को सरकार के सामने आने वाले मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करना है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री 18 नवंबर की शाम को वार्षिक भारत-आसियान शिखर सम्मेलन से लौटने के तुरंत बाद अपनी मंत्रिपरिषद के साथ बातचीत करेंगे। सूत्रों के अनुसार, इस बैठक में शासन, सुधारों, कल्याणकारी और विकास योजनाओं के बारे में महिलाओं और युवाओं तक पहुंच बनाने जैसे कई मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।मंत्रिपरिषद की पिछली बैठक, जिसे चिंतन शिविर कहा गया था सितंबर में हुई थी। मंत्रिपरिषद की आगामी बैठक में इस बात पर भी ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है कि विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के बीच बेहतर तालमेल बिठाकर सरकारी योजनाओं के वितरण तंत्र (डिलीवरी मैकेनिज्म) को और कैसे बेहतर बनाया जाए।

संगठित अपराध और ड्रग्स तस्करी बर्दाश्त नहीं: शाह ने दिल्ली पुलिस को दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली पुलिस को संगठित अपराध, नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध हथियारों की सप्लाई और दूसरी गैर-कानूनी गतिविधियों पर अपनी कार्रवाई को और मजबूत करने का निर्देश दिया. उन्होंने राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के आस-पास के इलाकों में चल रहे क्रिमिनल नेटवर्क को खत्म करने के लिए एक समन्वित रणनीति बनाने पर बल दिया. सूत्रों ने बताया कि दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर में चार घंटे तक चली हाई-लेवल सिक्योरिटी रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए अमित शाह ने सीनियर पुलिस अधिकारियों से ऑर्गनाइज्ड क्रिमिनल एक्टिविटीज से निपटने और उभरती सिक्योरिटी चुनौतियों का ज्यादा असरदार जवाब देने के लिए बड़े स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (स्टैंडर्ड) बनाने को कहा. गृह मंत्री ने दिल्ली पुलिस और पड़ोसी एनसीआर शहरों में उनके समकक्षों के बीच ज़्यादा समन्वय बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया. ताकि क्रिमिनल लोगों को अधिकार क्षेत्र की सीमाओं का फ़ायदा उठाने से रोका जा सके. प्रस्तावित कोऑर्डिनेशन सिस्टम से इंटेलिजेंस-शेयरिंग मज़बूत होने, ऑपरेशनल रिस्पॉन्स बेहतर होने और इंटर-स्टेट या इंटर-सिटी मौजूदगी वाले क्रिमिनल नेटवर्क के खिलाफ जॉइंट एक्शन में मदद मिलने की उम्मीद है. मीटिंग में लेफ्टिनेंट गवर्नर टीएस संधू, यूनियन होम सेक्रेटरी गोविंद मोहन, दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार और दूसरे सीनियर अधिकारी शामिल हुए. मीटिंग की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि मीटिंग में नेशनल कैपिटल में मौजूदा लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति, मौजूदा पुलिसिंग इंतजाम और लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों को बेहतर बनाने के लिए जरूरी उपायों का रिव्यू किया गया. अमित शाह ने पुलिसिंग स्ट्रेटेजी को मजबूत करने और संगठित आपराधिक नेटवर्क, खासकर जो नारकोटिक्स डिस्ट्रीब्यूशन, गैर-कानूनी हथियारों की सप्लाई और दूसरी गैर-कानूनी गतिविधियों में शामिल हैं, उनसे निपटने के लिए ज़्यादा असरदार संस्थागत तरीका बनाने की जरूरत पर जोर दिया. छठ पूजा का त्योहार नजदीक आने पर गृह मंत्री ने पूरी दिल्ली में सुरक्षा और भीड़ मैनेजमेंट के इंतजाम का भी जायजा लिया. इस त्योहार को मनाने के लिए लाखों भक्तों के राष्ट्रीय राजधानी में 1,400 से ज़्यादा तय घाटों पर आने की उम्मीद है. कानून-व्यवस्था बनाए रखना दिल्ली पुलिस के लिए जरूरी हो गया है.

मौत का डर नहीं: धमकियों के बीच बांग्लादेश लौटना चाहती हैं शेख हसीना, बोलीं- अपनी मिट्टी में मरना पसंद करूंगी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि गिरफ्तारी, जेल या जान जाने का खतरा उन्हें ढाका लौटने से नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि अपने लोगों से दूर रहने के बजाय,



वह अपनी मातृभूमि में मरना ज्यादा पसंद करेंगी। आईएएनएस को दिए एक विशेष ऑडियो इंटरव्यू में हसीना ने कहा कि जो उन्हें सही लगता है, उसे करने से उन्हें कभी डर नहीं रोक पाया। उन्होंने याद दिलाया कि पहले भी राजनीतिक अनिश्चितता और अपनी सुरक्षा को लेकर खतरों के बावजूद वह बांग्लादेश लौट चुकी हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'देखिए, मैं खतरों को अच्छी तरह समझती हूं। हो सकता है कि पहुंचते ही मुझे गिरफ्तार कर लिया जाए। वे मुझे जेल भेज सकते हैं। यहां तक कि वे मुझे मारने की कोशिश भी कर सकते हैं। मैंने इन सभी संभावनाओं के बारे में सोच लिया है। लेकिन, आपको पता है, मैंने बहुत पहले ही अपनी निजी सुरक्षा की चिंता करना छोड़ दिया था। 1981 में सैन्य शासन के बावजूद मैं बांग्लादेश लौटी थी। फिर 2007 में भी मैं लौटी, जबकि मुझे पता था कि सेना समर्थित सरकार मुझे गिरफ्तार कर सकती है। मैंने जेल का सामना किया है और मेरी जान लेने की कई बार कोशिशें भी हुई हैं। जो मुझे सही लगता है, उसे करने से मुझे कभी डर नहीं रोक पाया।' बांग्लादेश के बिगड़ते हालात पर गहरी चिंता जताते हुए हसीना ने कहा कि देश एक बेहद कठिन दौर से गुजर रहा है। उनकी पार्टी अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है, आम लोग परेशान हैं और कई परिवारों के घर तथा आजीविका छिन गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बांग्लादेश के लोगों ने जो मुश्किलें झेली हैं, उन्होंने उनके लौटने और लोगों के साथ खड़े होने के संकल्प को और मजबूत किया है, भले ही इससे उनकी जान को खतरा क्यों न हो। वहीं, बांग्लादेश में हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर हसीना ने कहा, 'आज मेरा देश एक बहुत ही बुरे दौर से गुजर रहा है। हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं को सताया जा रहा है। आम लोग तकलीफ झेल रहे हैं और परिवारों के घर और रोजी-रोटी छिन रही है। जब मेरे लोग इतनी मुश्किलें झेल रहे हैं, तो मैं उनसे दूर कैसे रह सकती हूं? मैंने अपना पूरा राजनीतिक जीवन बांग्लादेश के लोगों के साथ बिताया है। मेरे साथ चाहे जो भी हो, मैं उनके साथ खड़ी रहना चाहती हूं। अगर मुझे मरना ही है, तो मैं अपने ही देश की मिट्टी पर, अपने ही लोगों के बीच मरना पसंद करूंगी।'

एलिस हुआंग चीनी जासूस हैं या नहीं: अब तक तय नहीं कर पाया अमेरिकी न्याय विभाग

वॉशिंगटन, एजेंसी। एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेनसन हुआंग से कथित संबंधों को लेकर चर्चा में आईं एलिस हुआंग के चीनी जासूस होने के आरोपों पर अमेरिकी न्याय विभाग ने अब तक कोई निष्कर्ष नहीं निकाला है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश ने गुरुवार को कहा कि जांच में अभी यह स्थापित नहीं हुआ है कि एलिस चीनी खुफिया एजेंसी के लिए काम कर रही थीं या नहीं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ब्लांश से एलिस हुआंग पर लगे चीनी जासूस होने के आरोपों को लेकर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसा कोई दावा नहीं किया है।



ब्लांश ने कहा कि न्याय विभाग, वह खुद या एफबीआई निदेशक काश पटेल ने एलिस हुआंग की भूमिका को लेकर कोई निष्कर्ष नहीं निकाला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी यह तय नहीं हुआ है कि एलिस चीनी सरकार की ओर से काम कर रही थीं या नहीं। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल ने बताया कि न्याय विभाग सिंगापुर की डेटा कंपनी मेगास्पीड की गतिविधियों की जांच कर रहा है। यह जांच अमेरिकी वाणिज्य विभाग के साथ मिलकर की जा रही है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि कंपनी एनवीडिया के एडवांस चिप खरीदकर उन्हें आगे चीन भेज रही थी। ब्लांश ने कहा कि उन्हें इस मामले की जांच करने की वाणिज्य विभाग की क्षमता को लेकर कोई चिंता नहीं है। एलिस हुआंग सिंगापुर स्थित मेगास्पीड से जुड़ी एक कारोबारी हैं। इससे पहले आई रिपोर्टों में दावा किया गया था कि चीनी खुफिया एजेंसियों से संभावित संबंधों के कारण अमेरिकी खुफिया एजेंसियां उन पर नजर रख रही थीं। हालांकि, अमेरिकी अटॉर्नी जनरल के ताजा बयान से साफ है कि इन आरोपों की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

मैं बहुत घटिया इंसान हूं': इस्तीफे से पहले जेनसन नेकही थी ये बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनिया की दिग्गज चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के संस्थापक और सीईओ जेनसन हुआंग को आखिरकार अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। निजी संबंधों को लेकर सामने आए आरोपों के बीच कंपनी के बोर्ड ने बुधवार देर रात हुई बैठक में उन्हें पद छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्तीफे से पहले हुआंग ने खुद को बेहद निराश बताया और कहा कि उन्हें अब अपने भविष्य की चिंता नहीं है। रिपोर्ट में घटनाक्रम से परिचित एक व्यक्ति के हवाले से बताया गया है कि कई हफ्तों तक आरोपों का खंडन करने और पद पर बने रहने की कोशिश के बाद बुधवार रात हुआंग ने हार मान ली। कंपनी में उनके काम करने का तरीका भी बदल गया था। वह पहले की तरह फैसले लेने और हर चीज पर नजर रखने के बजाय अब 'जो भी हो' और 'मुझे परवाह नहीं' जैसे वाक्य कहने लगे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के दिनों में उनसे बात करने वाले लोगों ने बताया कि जेनसन हुआंग खुद को लेकर काफी कठोर टिप्पणियां कर रहे हैं। उन्होंने कथित तौर पर खुद को 'बहुत घटिया इंसान' कहा। उनका कहना है कि अब उन्हें अपने साथ क्या होगा, इसकी परवाह नहीं है। उनकी मुख्य चिंता अपनी पत्नी को लेकर है। साथ ही वह नहीं चाहते कि सार्वजनिक रूप से उनसे जोड़ी जा रही महिलाओं की जिंदगी भी प्रभावित हो। अक्तूबर के आखिर में खबरें सामने आई थीं कि हुआंग के चीन की कथित जासूस एलिस हुआंग से करीबी संबंध थे। बोर्ड में लंबे समय से कंपनी से जुड़े निवेशक, कारोबारी साझेदार और हुआंग के करीबी लोग शामिल थे। हुआंग ने अपने दोस्तों और सहयोगियों से कहा था कि उन्होंने अपनी पत्नी के साथ बेवफाई नहीं की है। कंपनी के भीतर भी 2025 के आखिर से उनसे इस बारे में सवाल किए जा रहे थे। सीईओ के तौर पर दिए गए अपने आखिरी इंटरव्यू में उन्होंने ब्लूमबर्ग से कहा था कि एलिस हुआंग के साथ उनके संबंध चीन के ग्राहकों और अधिकारियों के साथ सामान्य कारोबारी रिश्तों जैसे थे। हालांकि, 6 नवंबर को फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया कि दोनों के बीच रोमांटिक संबंध थे।



आसमान में फिर हड़कंप; मेरे पास बम है... चिल्लाते हुए कॉकपिट में घुसा यात्री, पायलट ने भेजा हाईजैक अलर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में हवाई यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। न्यू जर्सी के नेवार्क से लुइसियाना जा रही यूनाइटेड एयरलाइंस की फ्लाइट में एक यात्री ने कथित तौर पर बम होने की धमकी दी और कॉकपिट में जबरन घुसने की कोशिश की। घटना के बाद विमान में अफरा-तफरी मच गई। अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन एजेंसी (आईसीई) के अनुसार, इस घटना के चलते हाईजैक अलर्ट जारी किया गया। विमान के सुरक्षित उतरने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

उड़ते विमान में दी बम की धमकी: फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, यूनाइटेड एयरलाइंस की फ्लाइट संख्या 2174 सोमवार रात न्यू जर्सी के नेवार्क से न्यू ऑरलियन्स जा रही थी। इसी दौरान यात्री रोनी अलेक्जेंडर गोमेज-अल्बर्टो ने कथित तौर पर विमान में बम होने का दावा किया और कॉकपिट की ओर जबरन घुसने की कोशिश की। विमान में उस समय 46 यात्री और चालक दल के छह सदस्य मौजूद थे। आरोपी की इस हरकत के बाद विमान की सुरक्षा को लेकर गंभीर स्थिति पैदा हो गई। यात्री की कथित हरकत के कारण हाईजैक अलर्ट जारी हुआ। हालांकि, विमान के पायलटों ने औपचारिक रूप से हाईजैक घोषित किया था या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यूनाइटेड एयरलाइंस ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि विमान में एक यात्री ने बाधा उत्पन्न करने वाली हरकत की थी। हालांकि, विमान सुरक्षित रूप से न्यू ऑरलियन्स के लुइस आर्मस्ट्रांग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतर गया। वहां स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के



अधिकारी पहले से मौजूद थे। विमान के गेट पर पहुंचते ही पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। उसके खिलाफ आतंकित करने और आगजनी की योजना के बारे में झूठी जानकारी देने के आरोप लगाए गए हैं। प्रत्येक मामले में 5 लाख डॉलर का बांड निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, उसे भगोड़े के रूप में भी हिरासत में रखा गया है, जिसके लिए कोई जमानत राशि निर्धारित नहीं की गई है। गिरफ्तारी के बाद आईसीई ने आरोपी के खिलाफ हिरासत संबंधी औपचारिक आदेश भी जारी किया।

दो बार अमेरिका से निकाला जा चुका आरोपी: अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग के मुताबिक, आरोपी गोमेज-अल्बर्टो होंडुरास का नागरिक है। उसका पहले भी आपराधिक गतिविधियों से जुड़ा रिकॉर्ड रहा है। इसमें बम की धमकी देने, आतंकित करने की धमकी देने और सार्वजनिक अव्यवस्था फैलाने जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी का आव्रजन नियमों के उल्लंघन का भी लंबा इतिहास रहा है। उसे दो अलग-अलग मौकों पर अमेरिका से निर्वासित किया जा चुका है और तीन बार गिरफ्तार किया गया है। इसके बावजूद जनवरी 2020 में एक आव्रजन न्यायाधीश ने उसे आगे की निर्वासन प्रक्रिया पूरी होने तक आईसीई की हिरासत से रिहा करने का आदेश दिया था।

इस घटना के पीछे आरोपी का मकसद क्या था, अधिकारियों ने अभी तक इसका खुलासा नहीं किया है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि उसका न्यू ऑरलियन्स से कोई संबंध था या वह किसी विशेष उद्देश्य से वहां जा रहा था। जांच एजेंसियों ने यह भी नहीं बताया है कि आरोपी कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफल हुआ था या नहीं और विमान में मौजूद यात्रियों तथा चालक दल के सदस्यों ने किस तरह स्थिति को संभाला। घटना में किसी के घायल होने की भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

फायदों के बावजूद अटका पुलिस का बड़ा रिफॉर्म सतीश गोलछा के जाने के बाद ठप पड़ा मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई पुलिस की तर्ज पर दिल्ली पुलिस में भी जांच और कानून-व्यवस्था की टीमों को अलग-अलग करने की कवायद पूर्व पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा के हटते ही फिर ठंडे बस्ते में चला गया।

बताया गया कि कम समय में दिल्ली पुलिस में कई बेहतर बदलाव लाने वाले गोलछा ने इस विषय पर भी 10 जुलाई को पुलिस मुख्यालय में सभी आला अधिकारियों के साथ बैठक की की थी और उन्हें इस बदलाव के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए थे, लेकिन एक सप्ताह बाद ही उनको आयुक्त पद से हटा देने पर यह मामला ठप पड़ गया है।

इस तरह की व्यवस्था अब तक केवल मुंबई पुलिस में है। दिल्ली में भी पिछले एक दशक में इस तरह की व्यवस्था बनाने के लिए दो से तीन बार प्रयास किए गए। कुछ जिलों के कुछ थानों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर जांच और कानून व्यवस्था को अलग-अलग भी किया गया। कई महीनों तक यह सिलसिला चला भी, लेकिन पुलिसकर्मियों की भारी कमी



और आए दिन दिल्ली में अचानक धरना प्रदर्शन होने से यह व्यवस्था लागू कर पाना संभव नहीं हो पा रहा है। गोलछा ने बेहतर पुलिसिंग के लिए इस नियम को हर हाल में लागू करने का मन बना लिया था। महिलाओं की सुरक्षा के लिए हर जिले में एक-एक महिला थाना खोलने, साइबर अपराधियों के शिकार पीड़ितों की शिकायत पर तुरंत एफआइआर दर्ज करने, मकोका सेल बनाने, आपरेशन साय हाक शुरू करने जैसे निर्णय गोलछा द्वारा लिया गया बेहतर कदम माना जा रहा है। दिल्ली पुलिस में हमेशा से पुलिस बल की भारी कमी रही है। इस नई व्यवस्था को सफलतापूर्वक लागू करना तभी संभव हो पाएगा जब थानों में पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ाकर कम से कम दोगुनी की जाए अन्यथा, दोनों टीमों को अलग करने में व्यावहारिक परेशानियां आ सकती हैं।

परिसीमन विधेयक में शामिल हो सकता है शाह का 50 प्रतिशत अतिरिक्त लोकसभा सीटों वाला फॉर्मूला, क्या बोली कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार संसद का एक विशेष सत्र बुलाने की योजना पर विचार कर रही है ताकि परिसीमन विधेयक, 2026 को पारित कराया जा सके। सरकार के अनुसार, यह विधेयक महिला आरक्षण अधिनियम, 2023 को लागू करने से जुड़ा हुआ है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में सरकार के सूत्रों के हवाले से बताया गया कि केंद्र को अपने पास मौजूद संख्याबल पर पूरा भरोसा है और उसके पास जरूरत से कम से कम 15-16 वोट ज्यादा हैं, लेकिन उन्होंने प्रस्तावित सत्र की तारीखों या उसकी अवधि के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। संविधान संशोधन विधेयक पारित करने के लिए दो-तिहाई बहुमत हासिल करने हेतु सरकार को 361 वोटों की जरूरत है। 543 सदस्यों वाले सदन में तीन सीटें खाली हैं। परिसीमन विधेयक में प्रस्तावित संशोधन के तहत लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 करने का लक्ष्य है। इससे संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का रास्ता साफ हो जाएगा। यह 2011 की जनगणना पर आधारित होगा। सरकार का यह प्रस्तावित कदम ऐसे समय में आया है जब 17 अप्रैल को बजट सत्र की एक विशेष बैठक के दौरान इसी तरह का एक संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में जरूरी संख्या बल हासिल करने में विफल रहा था। संसद को कम समय के नोटिस पर बुलाने की संभावना अभी भी बनी हुई है, क्योंकि मानसून सत्र अभी तक सत्रावसान नहीं हुआ है। यह सत्र अब 91 दिनों से सत्रावसान के बिना चल रहा है, जिसने 2008 में बने 87 दिनों के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।अप्रैल में विपक्षी दलों खासकर दक्षिण भारत के दलों के साथ हुई बातचीत में सरकार ने कहा था कि वह सभी राज्यों के लिए लोकसभा सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव रखती है, ताकि 1971 की जनगणना के आधार पर राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बना रहे। इस प्रस्ताव का मकसद दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करना था, क्योंकि सरकार 2029 के संसदीय चुनावों से पहले महिला आरक्षण कानून को लागू करना चाहती है।

THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है
हिन्दी समाचार पत्र
राजस्थान अपडेट
— धरोहर, विकास और जनहित की खबर —
| Digital Edition | RJHIN/25/A4779
रविवार, 15 नवंबर, 2026

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं उद्योग, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड तथा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने दिवंगत डॉ.जसवंत सिंह यादव के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड तथा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने बहरोड विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. जसवंत सिंह यादव के निधन पर अलवर स्थित आवास पर पहुंचकर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभानी श्रद्धाजंलि दी। उन्होंने शोक संतृप्त परिवारजनों का ढाढ़स बंधाया। इस दौरान वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, तिजारा विधायक महन्त बालकनाथ, डीडवाना विधायक युनूस खान, नगर निगम महापौर सुमनलता अग्रवाल, पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत व रोहिताश शर्मा, पूर्व विधायक अशोक परनामी, जयराम जाटव व बनवारी लाल सिंघल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

राज्यपाल ने हैरीकॉन-2026 के तीसरे संस्करण के कार्यक्रम में की शिरकत

चिकित्सा क्षेत्र के उत्तरोतर विकास हेतु अनुसंधान एवं नवीन तकनीक का प्रयोग आवश्यक- राज्यपाल बागडे



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर/अलवर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को टेल्को सर्किल स्थित हरीश हॉस्पिटल के ऑडिटोरियम में आयोजित हैरीकॉन-2026 के तीसरे संस्करण कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन कर विधिवित शुभारम्भ किया।

राज्यपाल बागडे ने चिकित्सा शिक्षा के अनुसंधानों एवं नवीन आयामों के लिए आयोजित हैरीकॉन-2026 के तीसरे संस्करण के आयोजन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए चिकित्सा क्षेत्र में केवल क्लिनिकल दक्षता के साथ बल्कि नवीन शोधों की आवश्यकता है। उन्होंने चिकित्सा क्षेत्रा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का है, इससे मरीजों के उपचार में काफी सुगमता हो रही है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा पद्धति में मशीनें सहायक सिद्ध तो हो सकती हैं लेकिन चिकित्सकों का स्थान नहीं ले सकती, क्योंकि मानवीय संवेदनाएं एवं भावनाएं चिकित्सकीय परामर्श में महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि एक अच्छे चिकित्सक के लिए किताबी ज्ञान के साथ-साथ मरीज के साथ संवेदनशील रहकर समुचित उपचार किया जाना चाहिए। इससे चिकित्सा व्यवस्था की बेहतरी के साथ-साथ मरीज का चिकित्सा व्यवस्था व चिकित्सक में विश्वास प्रगाढ़ होता है। उन्होंने कहा कि रोगों से बचने के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए, जिसमें योग एवं हमारी परम्परागत भोजन पद्धति को शामिल किया जाना चाहिए।

इस दौरान उन्होंने पुरातन भारतीय चिकित्सा पद्धति के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राजस्थान के सभी जिलों में केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की क्रियान्विति का फीडबैक लेने के साथ टीबी मुक्त व नशा मुक्त राजस्थान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर जोर दिया जा रहा है।

राजस्थान संपर्क 181 पर परिवादियों से सीधे जुड़े मुख्य सचिव, मौके पर दिए समाधान के निर्देश

विद्यालयों में सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श की पहचान के लिए जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश

शहरी और ग्रामीण सेवाओं में शिकायतों का निस्तारण हुआ तेज, प्रगति पर मुख्य सचिव ने जताई प्रसन्नता

द अनकवर्ड अपडेट





जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जन शिकायतों के समयबद्ध समाधान को प्राथमिकता दे रही है। इसी क्रम में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को राजस्थान संपर्क 181 केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने वीडियो कॉल पर पाँच परिवादियों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

सीकर जिले के एक विद्यालय में छात्राओं के साथ अनुचित स्पर्श की शिकायत पर मुख्य सचिव ने प्रारंभिक शिक्षा विभाग के संबंधित अधिकारी को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में सुरक्षित और असुरक्षित स्पर्श की पहचान के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाए और विद्यार्थियों के साथ शिक्षकों तथा अभिभावकों को भी इससे जोड़ा जाए।

जयपुर जिले के शंकर लाल यादव ने कालाडेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अपने नवजात की देखभाल से जुड़ी समस्या बताई। मुख्य सचिव ने वीडियो कॉल पर ही संबंधित चिकित्सा अधिकारी को नवजात की समुचित देखभाल और केंद्र में सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने को कहा।

दौसा के एक परिवादी ने जन आधार में आय प्रमाणपत्र का विवरण अद्यतन करने में देरी की शिकायत की। मुख्य सचिव ने मौके पर उपस्थित आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के निदेशक को प्रकरण की जांच करने और जन आधार से जुड़ी सभी शिकायतों की समीक्षा कर उनका शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रसोई गैस कनेक्शन के स्थानांतरण में देरी और एक छात्रा को अर्द्धवार्षिक परीक्षा में शामिल होने से रोके जाने की शिकायतों पर भी संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई करने को कहा।

मुख्य सचिव ने राजस्थान संपर्क की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की और शिकायतों के निस्तारण में आई तेजी तथा परिवादियों की बढ़ी संतुष्टि पर प्रसन्नता व्यक्त की। 13 नवंबर तक की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले निरीक्षण के बाद शहरी और ग्रामीण सुविधाओं की सभी 27 श्रेणियों में औसत निस्तारण समय घटा और 23 श्रेणियों में परिवादियों की संतुष्टि बढ़ी। नगरीय निकायों में निस्तारण का औसत समय 18 से घटकर 12 दिन और ग्रामीण पेयजल सेवाओं में 16 से घटकर 12 दिन रहा। इन सेवाओं में परिवादियों की संतुष्टि दर क्रमशः 9.37 और 4.82 प्रतिशत अंक बढ़ी।

भोजपुरी सितारों के सुरों पर झूमी वस्त्रनगरी, त्रिलोक झा और श्याम सिंह के छठ गीतों ने बांधा समां

भारती मेहता और नैना सिंह की मौजूदगी रही आकर्षण का केंद्र, मानसरोवर झील पर भक्ति, संगीत और लोक संस्कृति का दिखा संगम

द अकवर्ड अपडेट



भीलवाड़ा। वस्त्रनगरी भीलवाड़ा में लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर शनिवार शाम भोजपुरी संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की ऐसी छटा बिखरी कि मानसरोवर झील परिसर भक्ति और उत्साह से सराबोर हो उठा। पूर्वांचल जन चेतना समिति चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से आयोजित दो दिवसीय छठ महोत्सव के पहले दिन भोजपुरी फिल्मी सितारों और नामचीन गायकों ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। भोजपुरी अभिनेत्री भारती मेहता और नैना सिंह की मौजूदगी के बीच गायकों के छठ गीतों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। कार्यक्रम में स्टार गायक त्रिलोक झा ने अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने 'कर्पूर गौरं करुणावतारं' की स्तुति से वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। इसके बाद 'गंगा जी के शीतल पनिया, अरे घर लेके भागतीन थार' और 'लचके ला बहंगी, झूमेला बिहरिया' जैसे भोजपुरी लोक एवं छठ गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

वहीं छपरा के सुपरस्टार गायक श्याम सिंह ने अपनी भोजपुरी गायकी से कार्यक्रम में अलग ही रंग जमा दिया। उन्होंने 'मंगल के दाता, हुआ बिगड़ी बनाई जी' से भक्ति रस घोला तो 'रेलगड़िया धराई द बलमुआ, जाइब छठ' और 'विद्या बनाई द छठी घाटे, देवरू' जैसे गीतों से छठ महापर्व की पारंपरिक लोक संस्कृति को जीवंत कर दिया। उनके गीतों पर दर्शकों ने तालियों और उत्साह के साथ कलाकारों का स्वागत किया। गायिका संजना राय ने दिया भक्तिमय 'कोन संकट परल तोहार दीनानाथ ' ' उगा है सूरज देव ' 'कांचे ही बांस के बहंगिया '

मुंबई फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्री भारती मेहता कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहीं। फिल्म, वेब सीरीज, ओटीटी और टेलीविजन के विभिन्न प्रोजेक्ट्स में अपनी अभिनय प्रतिभा दिखा चुकीं भारती मेहता की मौजूदगी ने दर्शकों में खास उत्साह पैदा किया। भोजपुरी अभिनेत्री नैना सिंह ने भी मंच पर विशेष प्रस्तुति दी। सुप्रसिद्ध गायिका संजना ने छठ के पारंपरिक गीतों से श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। वहीं नृत्यांगनाओं यीशु गुप्ता और आरोही ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुतियों से सांस्कृतिक संध्या में चार चांद लगा दिए। दिल्ली के टीजे एंटरटेनमेंट के तत्वावधान में आयोजित इस संध्या में भोजपुरी संगीत और लोक संस्कृति का शानदार संगम देखने को मिला। समिति के संस्थापक अध्यक्ष रजनीश वर्मा ने बताया कि छठ महापर्व पूर्वांचल की संस्कृति और परंपराओं का प्रमुख पर्व है। यह केवल सूर्य उपासना का धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि त्याग, तपस्या, अनुशासन, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक एकता का संदेश देने वाला लोक आस्था का महापर्व है। चार दिवसीय छठ पर्व 13 से 16 नवंबर तक पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जा रहा है। व्रती निर्जला उपवास रखकर अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हैं। महोत्सव के दूसरे दिन शनिवार, 15 नवंबर को शाम सात से रात दस बजे तक लेबर कॉलोनी स्थित श्रम कल्याण केंद्र मैदान में भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा। समीर शर्मा एंटरटेनमेंट के माध्यम से वृंदावन से आने वाले कलाकार देवी-देवताओं की लीलाओं का सजीव मंचन करेंगे। धार्मिक झांकियां, भक्ति संगीत और भोजपुरी गायकों की लाइव प्रस्तुतियां कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेंगी।

रजनीश वर्मा ने कहा कि महोत्सव का उद्देश्य केवल मनोरंजन करना नहीं, बल्कि पूर्वांचल की समृद्ध धार्मिक विरासत, लोकगीतों, पारंपरिक रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक पहचान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना भी है। आयोजन समिति की ब्रांड एंबेसडर अनोखी राजस्थानी सहित समिति के सदस्यों ने आयोजन में सहयोग किया। समिति की ओर से शहरवासियों से दूसरे दिन के कार्यक्रम में भी सपरिवार शामिल होकर छठ महोत्सव को सफल बनाने की अपील की गई।

आयोजन समिति के सदस्य रहे मौजूद

इस अवसर पर आयोजन समिति की ब्रांड एंबेसडर अनोखी राजस्थानी व समिती के सदस्य दिनेश साहनी, बबलू सिंह, अनुराधा झा, शिल्पी सिंह, रामवती देवी, पूनम, मंजू देवी, राजऋषि,, वैभव जोशी, चिराग ट्रेलर, राकेश मानसिंहका, गोपाल माली, ललित अग्रवाल, चेतन मानसिंह, राजकुमार माली, लीलकांत चौधरी, मुरली मनोहर सेन, महावीर तेली सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे। पूर्वांचल जन चेतना समिति चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से 15 नवंबर 2026 को श्रम कल्याण केंद्र लेबर कॉलोनी के प्रांगण में वाटर वर्क्स में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए तथा समस्त भीलवाड़ावासियों को इस भव्य छठ महोत्सव में सपरिवार सम्मिलित होकर लोक आस्था, भोजपुरी संगीत, भारतीय संस्कृति और भक्ति के इस अनुपम उत्सव का साक्षी बनने का आमंत्रण दिया गया है।

पुष्प अर्पित कर पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि

नेहरु पॉर्क में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की संगोष्ठी आयोजित



द अनकवर्ड अपडेट

नदबई। पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु की जन्म जयंती के चलते शनिवार को कस्बा स्थित नेहरु पॉर्क में प्रदेश सचिव प्रशान्त उपाध्याय के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की संगोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें प्रदेश सचिव ने पूर्व प्रधानमंत्री की जीवनी पर चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं को लोकतंत्र की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं को एकजुटता का मूलमंत्र दिया। इससे पहले कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी। बाद में देश की अखंडता व एकता के लिए कार्यकर्ताओं ने संगठित होने का संकल्प लिया। इस दौरान शहर अध्यक्ष अनुभव शर्मा, पूर्व पार्षद मदनलाल बिहारिया, डॉ के.पी.सिंह, प्रभाव चौधरी, अरविंद शर्मा, उत्तम जाटव आदि मौजूद रहे।

चोरी के मामलें में गिरफ्तार दो आरोपियों को जेल भेजा

गांव बैलारा के उपस्वास्थ्य केन्द्र से उपकरण चोरी का मामला

द अनकवर्ड अपडेट

नदबई। नदबई क्षेत्र के गांव बैलारा स्थित उपस्वास्थ्य केन्द्र से एलईडी उपकरण सहित अन्य सामान चोरी होने के मामलें में शनिवार को पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार बैलारा निवासी रविन्द्र सिंह उर्फ भूरा पुत्र गंगासहाय सिंह व नबाव सिंह पुत्र भीमसिंह को मुखबिर की सूचना पर गांव से हिरासत में लिया। बाद में जांच पडताल दौरान आरोपियों की निशानदेही पर चोरी हुई एलईडी को जंगल से बरामद करने पर आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया। गौरतलब है कि, गिरफ्तार दोनों आरोपियों ने बैलारा स्थित आयुष्मान आरोग्य मन्दिर (उपस्वास्थ्य केन्द्र) का ताला तोड़कर एलईडी सहित अन्य उपकरण चोरी की घटना को अंजाम दिया। बाद में डहरा निवासी सीएचओ अनुज कुमार पुत्र फूलचंद शर्मा ने पुलिस में मामला दर्ज कराया।

प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक

9-10 दिसम्बर को जयपुर में सांस्कृतिक संध्या और मुख्य कार्यक्रम- मुख्यमंत्री भजनलाल

प्रदेश की विकास यात्रा में प्रवासी राजस्थानी महत्वपूर्ण भागीदार

प्रवासी राजस्थानी दिवस अपनी जन्मभूमि से जुड़ने का अवसर

8 दिसम्बर को झुंझुनूं में शेखावाटी हेरिटेज मीट

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी प्रदेश की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण भागीदार हैं। ऐसे में प्रवासी राजस्थानी दिवस प्रदेश के प्रवासी राजस्थानियों के लिए अपनी जन्मभूमि से जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है। इस आयोजन के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहर और निवेश की संभावनाओं से परिचित कराया जाए। मुख्यमंत्री ने शनिवार को प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर आएंगी शेखावाटी की ऐतिहासिक हवेलियां

उन्होंने कहा कि शेखावाटी की हवेलियां राजस्थान की ऐतिहासिक विरासत, समृद्ध कला-संस्कृति और स्थापत्य की पहचान हैं, इन्हें वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर लाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रवासी राजस्थानी दिवस के तहत आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत 8 दिसम्बर को झुंझुनूं के खेतड़ी स्थित अभयगढ़ में शेखावाटी हेरिटेज मीट आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सीकर, झुंझुनूं और चूरू के प्रमुख प्रवासी राजस्थानियों, उद्योगपतियों और हवेली मालिकों को आयोजन से जोड़ने के निर्देश दिए।

देश-विदेश के विशेषज्ञों की भागीदारी हो सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने कहा कि 8 दिसम्बर को शेखावाटी हेरिटेज मीट के बाद 9 दिसम्बर को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सांस्कृतिक संध्या आयोजित की जाएगी। वहीं, 10 दिसम्बर को जयपुर के जेईसीसी में प्रवासी राजस्थानी दिवस का मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा। उन्होंने आयोजन में देश-विदेश के विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के आदर्श अपनाने का किया आह्वान, राज्यपाल बागडे ने जनजातीय गौरव दिवस की शुभकामनाएं दी

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जनजातीय गौरव दिवस (15 नवम्बर) पर बधाई और शुभकामनाएं दी है।

बागडे ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस जल, जंगल और जमीन के लिए प्रतिबद्ध आदिवासी कल्याण की प्रेरणा देने वाला है। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस पर जनजातीय क्षेत्रों के कल्याण के लिए सभी मिलकर कार्य करें। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा को याद करते हुए कहा कि उनके आदर्श हमारी धरोहर हैं। बिरसा मुंडा ने जनजाति गौरव, जनजातीय संस्कृति, स्वाभिमान और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष किया। इसी से वह जनजातीय गौरव का प्रतीक बने।

स्वामी और प्रकाशक बुधमती गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। प्रधान संपादक: बुधमती गोस्वामी एवं संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, उप संपादक - मोनिका शर्मा, पीआरजीआई नं. RJHIN/25/A 4779 ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडी: editor.the uncoveredupdate@gmail.com, वेबसाइट: www.theuncoveredupdate.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।